शुरुआती मैचों में नहीं खेल पाएंगे मथीशा पथिराना,

Page-04

tv भारतवर्ष

सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

ओपनिंग डे पर ही बॉक्स ऑफिस हिलाकर रख दिया

Page-05

श्रीलंका का बड़ा फैसला: लैंडिंग की अनुमति से किया इनकार

अंतर्राष्ट्रीय, टीवी भारतवर्ष

श्रीलंका ने अपनी तटस्थ नीति को बरकरार रखते हुए अमेरिका के लड़ाकू विमानों को अपने क्षेत्र में उतरने की अनुमति देने से इनकार कर दिया है। इस बात की जानकारी राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके ने संसद में दी।राष्ट्रपति ने बताया कि मार्च की शुरुआत में अमेरिका के दो लड़ाकू विमानों ने 4 और 8 मार्च को मट्टाला अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर लैंडिंग की अनुमति मांगी थी। ये विमान जिबूती स्थित अमेरिकी सैन्य अड्डे से संचालित हो रहे थे, लेकिन श्रीलंका सरकार ने दोनों ही अनुरोधों को खारिज कर दिया।राष्ट्रपति दिसानायके के अनुसार, इन विमानों में 8 एंटी-शिप मिसाइलें लगी हुई थीं, जिससे सुरक्षा और रणनीतिक चिंताएं और बढ़ गई थीं। उन्होंने संसद में स्पष्ट किया कि विभिन्न दबावों के बावजूद श्रीलंका अपनी तटस्थ विदेश नीति से पीछे नहीं हटेगा।

‘धुरंधर-2’को लेकर छिड़ा सियासी विवाद

राष्ट्रीय, टीवी भारतवर्ष

रणवीर सिंह की फिल्म धुरंधर-2 रिलीज होते ही बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त प्रदर्शन कर रही है। फिल्म ने 145 करोड़ रुपये की ओपनिंग के साथ नया रिकॉर्ड बना दिया है और दर्शकों के बीच जबरदस्त चर्चा में है।हालांकि, फिल्म की सफलता के साथ ही एक बड़ा राजनीतिक विवाद भी खड़ा हो गया है। फिल्म में दिखाए गए एक किरदार ‘आतिफ अहमद’ को लेकर विवाद शुरू हुआ है, जिसे समाजवादी पार्टी के पूर्व सांसद अतीक अहमद से जोड़कर देखा जा रहा है।फिल्म में इस किरदार को पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी ISI और आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े होने के रूप में दिखाया गया है। साथ ही, कहानी में उसे जाली नोटों की सप्लाई और उत्तर प्रदेश में पाकिस्तान समर्थित साजिशों में शामिल बताया गया है।इसी मुद्दे पर अब राजनीति गरमा गई है। समाजवादी पार्टी के नेता एसटी हसन ने फिल्म पर निशाना साधते हुए कहा कि बॉक्स ऑफिस पर कमाई बढ़ाने के लिए जानबूझकर ऐसा किरदार दिखाया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस तरह की फिल्मों के जरिए समाज में नफरत फैलाने की कोशिश की जा रही है।

अवैध ऑनलाइन जुआ पर सख्ती

अवैध ऑनलाइन जुआ और सट्टेबाजी के खिलाफ केंद्र सरकार ने बड़ा कदम उठाते हुए 300 वेबसाइट्स और मोबाइल ऐप्स को ब्लॉक कर दिया है। सरकारी सूत्रों के मुताबिक, अब तक कुल 8400 ऐसे प्लेटफॉर्म्स पर प्रतिबंध लगाया जा चुका है, जो गैरकानूनी गतिविधियों में शामिल पाए गए। सूत्रों ने बताया कि ऑनलाइन गेमिंग एक्ट लागू होने के बाद इस तरह की कार्रवाई में तेजी आई है।अकेले इसी कानून के लागू होने के बाद करीब 4900 वेबसाइट्स और ऐप्स को बंद किया जा चुका है।

इंडस्ट्रियल डीजल की कीमत में ₹22 प्रति लीटर से ज्यादा की बढ़ोतरी से उद्योग और ट्रांसपोर्ट लागत पर बड़ा असर पड़ सकता है।

पेट्रोल के बाद इंडस्ट्रियल डीजल भी महंगा

प्रीमियम पेट्रोल की कीमतों में हालिया बढ़ोतरी के बाद अब इंडस्ट्रियल डीजल भी महंगा हो गया है। Indian Oil Corporation (IOC) ने इंडस्ट्रियल डीजल के दाम में बड़ा इजाफा करते हुए इसे ₹87.67 प्रति लीटर से बढ़ाकर ₹109.59 प्रति लीटर कर दिया है। इस बढ़ोतरी का सीधा असर औद्योगिक क्षेत्र, लॉजिस्टिक्स और ट्रांसपोर्ट लागत पर पड़ने की आशंका है।इंडस्ट्रियल डीजल आम लोगों के लिए उपलब्ध नहीं होता, बल्कि इसका इस्तेमाल फैक्ट्रियों, बड़े जनरेटर, माइनिंग कंपनियों और कंस्ट्रक्शन साइट्स में होता है। इससे पहले तेल कंपनियां प्रीमियम पेट्रोल के दाम में भी करीब ₹2 प्रति लीटर की बढ़ोतरी कर चुकी हैं, हालांकि सामान्य पेट्रोल की कीमतें अभी स्थिर रखी गई हैं।विशेषज्ञों का मानना है कि यदि ईंधन कीमतों में यह बढ़ोतरी जारी रहती है, तो आने वाले समय में महंगाई और सप्लाई चेन पर असर साफ दिखाई दे सकता है। मिडिल ईस्ट में जारी तनाव और वैश्विक कच्चे तेल बाजार में अस्थिरता के कारण तेल कंपनियों की लागत बढ़ी है, जिसके चलते चुनिंदा ईंधन श्रेणियों के दाम बढ़ाए गए हैं।नई जोड़ी गई 3 लाइनें:इस बढ़ोतरी से निर्माण कार्यों की लागत में भी इजाफा हो सकता है, जिससे इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट महंगे पड़ सकते हैं।ट्रांसपोर्ट कंपनियां बढ़ी हुई लागत का बोझ ग्राहकों पर डाल सकती हैं, जिससे वस्तुओं के दाम बढ़ने की संभावना है।आने वाले दिनों में अन्य ईंधन श्रेणियों की कीमतों में भी संशोधन देखने को मिल सकता है, जिस पर बाजार की नजर बनी हुई है।

- **इंडस्ट्रियल डीजल की कीमत ₹87.67 से बढ़कर ₹109.59 प्रति लीटर हो गई।**
- **मिडिल ईस्ट तनाव और कच्चे तेल की बढ़ती लागत के कारण ईंधन कीमतों में आगे और बढ़ोतरी की आशंका है।**

कटक अस्पताल अग्निकांड पर ओडिशा विधानसभा में हंगामा

राष्ट्रीय, टीवी भारतवर्ष

ओडिशा विधानसभा में शुक्रवार को कटक अस्पताल अग्निकांड को लेकर जमकर हंगामा देखने को मिला। कटक के एक अस्पताल में आग लगने से 12 मरीजों की मौत के मुद्दे पर विपक्ष पिछले चार दिनों से लगातार विरोध प्रदर्शन कर रहा है।विपक्षी विधायक इस घटना के लिए राज्य के स्वास्थ्य मंत्री मुकेश महालिंग को जिम्मेदार ठहराते हुए उनके इस्तीफे की मांग पर अड़े हुए हैं। शुक्रवार को यह विरोध और तेज हो गया, जब विधानसभा के अंदर जमकर नारेबाजी हुई और माहौल पूरी तरह से गरमा गया।हंगामे के दौरान कुछ विपक्षी विधायक सभापति के आसन तक पहुंचने की कोशिश करते नजर आए, जिसके चलते सदन की कार्यवाही प्रभावित हुई। स्थिति को काबू में करने के लिए मार्शलों को भी सक्रिय होना पड़ा।विपक्ष का आरोप है कि अस्पताल में सुरक्षा व्यवस्था और अग्निशमन इंतजामों में गंभीर लापरवाही बरती गई, जिसकी वजह से इतनी बड़ी त्रासदी हुई। वहीं, सरकार की ओर से मामले की जांच के आदेश दिए जाने की बात कही गई है।

मिडिल ईस्ट में जंग और तेज

इजरायली हमले में IRGC प्रवक्ता अली मोहम्मद की मौत

अंतर्राष्ट्रीय, टीवी भारतवर्ष

मिडिल ईस्ट में जारी जंग के बीच ईरान को एक और बड़ा झटका लगा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इजरायली हमले में इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (IRGC) के प्रवक्ता अली मोहम्मद की मौत हो गई है। ईरान ने भी इस खबर की पुष्टि कर दी है, जिससे हालात और ज्यादा तनावपूर्ण हो गए हैं।इजरायल, अमेरिका और ईरान के बीच जारी इस संघर्ष का आज 21वां दिन है और हर दिन हालात और गंभीर होते जा रहे हैं। हाल ही में ईरान द्वारा हाइफा शहर पर किए गए हमले के जवाब में इजरायल ने तेहरान पर जोरदार पलटवार किया। राजधानी तेहरान में एक के बाद एक कई धमाकों की खबर है, जिससे पूरे शहर में दहशत का माहौल बन गया है।बताया जा रहा है कि इजरायल लगातार मिसाइल हमलों के जरिए तेहरान को निशाना बना रहा है। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में तेज धमाकों की आवाजें और बड़े

विस्फोट देखे जा सकते हैं।वहीं, इससे पहले ईरान ने खाड़ी देशों पर भी बड़ा हमला किया था। गुरुवार रात ईरान ने दुबई, बहरीन, कुवैत और संयुक्त अरब अमीरात (UAE) को निशाना बनाया। दुबई प्रशासन ने हमले की पुष्टि की है, जबकि बहरीन में एक गोदाम पूरी तरह जलकर खाक हो गया।खाड़ी देशों में तैनात अमेरिकी एयर डिफेंस सिस्टम इन हमलों को रोकने की कोशिश में जुटा हुआ है। लगातार बढ़ते हमलों के चलते पूरे मिडिल ईस्ट में हालात बेहद तनावपूर्ण बने हुए हैं।

LPG किल्लत के बीच झारखंड सरकार का बड़ा फैसला

राशन कार्ड धारकों को मिलेगा केरोसिन

राष्ट्रीय, टीवी भारतवर्ष

पखाड़ी देशों में जारी युद्ध और वैश्विक हालात के चलते पेट्रोलियम उत्पादों की आपूर्ति प्रभावित हो रही है। इसी बीच झारखंड सरकार ने बड़ा फैसला लेते हुए राशन कार्ड धारकों को केरोसिन तेल उपलब्ध कराने का निर्णय लिया है, ताकि घरों में खाना बनाने की व्यवस्था बाधित न हो।सरकार के इस फैसले के तहत खासतौर पर ग्रामीण इलाकों को प्राथमिकता दी जाएगी। ग्रामीण परिवारों को अब केरोसिन से चलने वाले स्टोव की व्यवस्था करने की सलाह दी गई है, जिससे LPG की कमी के बावजूद उनका चूल्हा जलता रहे।जानकारी के मुताबिक, झारखंड में कुल 9.72 लाख लीटर केरोसिन तेल का वितरण किया जाएगा। इसमें धनबाद जिले को 72 हजार लीटर केरोसिन आवंटित किया गया है।केंद्र सरकार के पेट्रोलियम और प्राकृतिक

गैस मंत्रालय ने इस संबंध में सभी राज्यों को निर्देश जारी किए हैं। आदेश में कहा गया है कि जियो-पॉलिटिकल स्थिति के कारण वैश्विक स्तर पर पेट्रोलियम उत्पादों की सप्लाई प्रभावित हुई है, जिसके चलते यह कदम उठाया गया है।सरकार के इस फैसले से राज्य के लाखों राशन कार्ड उपभोक्ताओं को राहत मिलने की उम्मीद है।

ममता बनर्जी का घोषणापत्र जारी, महिलाओं-युवाओं के लिए बड़े वादे और बीजेपी पर तीखा हमला

पश्चिम बंगाल, टीवी भारतवर्ष

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 को लेकर ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने अपना घोषणापत्र जारी कर दिया है। इस घोषणापत्र में युवाओं, महिलाओं और बुजुर्गों के लिए कई बड़ी योजनाओं का ऐलान किया गया है।ममता बनर्जी ने कहा कि महिलाओं के लिए चलाई जा रही लक्ष्मी भंडार योजना जारी रहेगी, जिसके तहत 25 से 60 वर्ष की महिलाओं को सालाना ₹18,000 और अनुसूचित जाति-जनजाति की महिलाओं को ₹20,400 मिलते रहेंगे। इसके अलावा युवाओं को नौकरी मिलने तक आर्थिक सहायता देने और बुजुर्गों के लिए घर तक इलाज की सुविधा पहुंचाने का वादा किया गया है।राज्य के विकास को लेकर उन्होंने लेदर हब और पावर हब जैसी परियोजनाओं का जिक्र किया और दावा किया कि लाखों लोग इससे जुड़े हैं। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग (एमएसएमई) सेक्टर में पश्चिम बंगाल को देश में अग्रणी बताते हुए उन्होंने रोजगार बढ़ाने पर जोर दिया।वहीं, ममता बनर्जी ने भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) और केंद्र सरकार पर भी तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी बंगाल में साजिश कर रही है और राज्य को बांटने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि जनता इस बार बीजेपी को सत्ता में नहीं आने देगी।

एफ-35 पर हमले के दावे के बाद ईरान का तंज, अमेरिका की सैन्य ताकत पर उठाए सवाल

ईरान ने एफ-35 पर हमले का दावा कर अमेरिकी सैन्य शक्ति पर सवाल उठाए। संसद अध्यक्ष ग़ालिबफ़ ने इसे अमेरिका की अजेयता के प्रतीक पर प्रहार बताया। वहीं अमेरिका ने विमान के सुरक्षित लैंडिंग की बात कही और नुकसान को कमतर बताया, जबकि क्षेत्र में तनाव लगातार बढ़ रहा है।

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

मध्य पूर्व में जारी संघर्ष के बीच ईरान और अमेरिका के बीच बयानबाजी तेज हो गई है। ईरान के संसद अध्यक्ष मोहम्मद बगेर ग़ालिबफ़ ने अमेरिकी एफ-35 स्टील्थ लड़ाकू विमान को लेकर किए गए हमले के दावे के बाद वाशिंगटन की सैन्य शक्ति पर तीखा और व्यंग्यात्मक प्रहार किया है। उन्होंने इस घटना को अमेरिकी हवाई प्रभुत्व पर प्रतीकात्मक चोट और वैश्विक शक्ति संतुलन में बदलाव का संकेत बताया।ग़ालिबफ़ ने अपने बयान में कहा कि एफ-35 सिर्फ एक लड़ाकू विमान नहीं, बल्कि अमेरिकी सैन्य ताकत, अजेयता और अहंकार का प्रतीक रहा है। उन्होंने व्यंग्य करते हुए कहा कि इस विमान को एक ऐसे "अछूत" और "अदृश्य" हथियार के रूप में पेश किया गया, जिसे कोई चुनौती नहीं दे सकता। हालांकि, उन्होंने यह भी जोड़ा कि "ईश्वर का हाथ हर शक्ति से ऊपर है" और इस प्रतीक पर हमला एक बड़े बदलाव का संकेत है। उनके अनुसार, यह घटना एक ऐसी व्यवस्था के पतन का क्षण दर्शाती है, जिसे अब तक अटूट माना जाता था।ग़ालिबफ़ की यह प्रतिक्रिया ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर (आईआरजीसी) के उस दावे के बाद आई है, जिसमें कहा गया कि गुरुवार तड़के मध्य ईरान के ऊपर एक उन्नत स्टील्थ जेट को वायु रक्षा प्रणाली द्वारा निशाना बनाया गया। आईआरजीसी के मुताबिक, यह घटना स्थानीय समयानुसार लगभग 2:50 बजे हुई और विमान को "गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त" कर दिया गया। संगठन ने यह भी संकेत दिया कि विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता।ईरान के सरकारी मीडिया ने इस कथित हमले से जुड़ा एक वीडियो फुटेज भी प्रसारित किया है। इसमें आसमान में तेज रोशनी, धुएं के गुबार और विमान के अचानक दिशा बदलने जैसे दृश्य दिखाई देने का दावा किया गया है। हालांकि, इन दावों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हो सकी है। यदि यह घटना सत्यापित होती है, तो यह युद्ध के दौरान एफ-35 जैसे अत्याधुनिक स्टील्थ विमान को निशाना बनाए जाने का पहला मामला हो सकता है, जो इसे अमेरिकी हवाई शक्ति का प्रमुख स्तंभ माना जाता है।दूसरी ओर, अमेरिका ने स्वीकार किया है कि इस घटना में उसका एक एफ-35 विमान शामिल था। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, विमान ने क्षेत्र में स्थित एक सैन्य अड्डे पर आपातकालीन लैंडिंग की और पायलट पूरी तरह सुरक्षित है। हालांकि, वाशिंगटन ने विमान को गिराए जाने के दावे को खारिज करते हुए नुकसान की गंभीरता को कम करके बताया है। अधिकारियों का कहना है कि पूरे मामले की जांच जारी है।यह घटनाक्रम ऐसे समय सामने आया है जब ईरान और अमेरिकी-इजरायली बलों के बीच तनाव लगातार बढ़ रहा है। दोनों पक्ष एक-दूसरे के सैन्य और रणनीतिक ठिकानों को निशाना बना रहे हैं। अमेरिका पहले ही दावा कर चुका है कि उसने ईरान की हवाई रक्षा प्रणाली को काफी हद तक निष्क्रिय कर दिया है, लेकिन हालिया घटना ने इन दावों पर सवाल खड़े कर दिए हैं।विशेषज्ञों का मानना है कि ग़ालिबफ़ के बयान सिर्फ सैन्य प्रतिक्रिया नहीं, बल्कि एक व्यापक राजनीतिक और मनोवैज्ञानिक रणनीति का हिस्सा हैं। ईरान इस घटना को शक्ति संतुलन में बदलाव के संकेत के रूप में पेश कर रहा है। "एक व्यवस्था का पतन" जैसे शब्दों का इस्तेमाल यह दर्शाता है कि तेहरान इस घटनाक्रम को केवल सैन्य नहीं, बल्कि वैश्विक प्रभाव वाले प्रतीकात्मक मोड़ के रूप में देख रहा है।

आरबीआई ने कहा बैंक के संचालन को लेकर कोई बड़ी चिंता नहीं

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

देश के दूसरे सबसे बड़े निजी क्षेत्र के बैंक एचडीएफसी बैंक को उस समय झटका लगा जब इसके गैर-कार्यकारी चेयरमैन अतनु चक्रवर्ती ने अचानक इस्तीफा दे दिया। उन्होंने अपने इस्तीफे में 'मूल्यों और नैतिकता' से जुड़े मतभेदों को इसका कारण बताया। बैंक प्रबंधन ने इस कदम को 'हैरान करने वाला' करार दिया है और कहा है कि बार-बार अनुरोध के बावजूद चक्रवर्ती ने अपनी चिंताओं को विस्तार से स्पष्ट नहीं किया।चक्रवर्ती ने 17 मार्च को दिए अपने इस्तीफे में लिखा कि पिछले दो वर्षों के दौरान उन्होंने बैंक के भीतर कुछ ऐसी गतिविधियां देखीं जो उनके व्यक्तिगत मूल्यों और नैतिकता के अनुरूप नहीं थीं। उन्होंने संचालन, नामांकन और पारिश्रमिक समिति के चेयरमैन को भेजे पत्र में स्पष्ट किया कि उनके निर्णय के पीछे यही प्रमुख कारण है। बैंक ने शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि उनका इस्तीफा 18 मार्च 2026 से तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है।इस्तीफे के बाद एचडीएफसी बैंक समूह के वरिष्ठ अधिकारी केकी मिस्त्री को तीन महीने के लिए अंतरिम चेयरमैन नियुक्त किया गया है। मिस्त्री ने संकेत दिया कि चक्रवर्ती और कार्यकारी नेतृत्व के बीच संबंधों में कुछ समस्याएं हो सकती हैं, लेकिन उन्होंने किसी ठोस कारण की पुष्टि नहीं की। उन्होंने यह भी कहा कि बैंक का संचालन स्थिर और मजबूत बना हुआ है।भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने भी स्पष्ट किया है कि बैंक के संचालन या आचरण को लेकर कोई गंभीर चिंता नहीं है। आरबीआई के अनुसार, एचडीएफसी बैंक एक मजबूत वित्तीय स्थिति वाला और पेशेवर प्रबंधन द्वारा संचालित संस्थान है। वित्त मंत्रालय ने भी बैंक को 'मजबूत बुनियाद वाला सुदृढ़ संस्थान' बताया है।

ट्रम्प ने NATO देशों को कायर बताया

ट्रम्प का नाटो पर तीखा हमला, बोले "अमेरिका के बिना कागज़ी शेर"

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने नाटो (NATO) पर तीखा हमला बोला है। ट्रम्प ने गठबंधन को "कागज़ी शेर" करार देते हुए कहा कि अमेरिका के बिना नाटो की कोई वास्तविक ताकत नहीं है। उनके इस बयान ने अंतरराष्ट्रीय राजनीति में नई बहस छेड़ दी है।शुक्रवार को अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर पोस्ट करते हुए ट्रम्प ने नाटो देशों की कड़ी आलोचना की। उन्होंने आरोप लगाया कि नाटो सदस्य देश ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई में शामिल होने से बचते रहे और अब जब हालात बदल रहे हैं, तो वे तेल की बढ़ती कीमतों को लेकर शिकायत कर रहे हैं। ट्रम्प ने लिखा, "अमेरिका के बिना नाटो एक कागज़ी शेर है। वे परमाणु शक्ति संपन्न ईरान को रोकने की लड़ाई में शामिल नहीं होना चाहते थे।"ट्रम्प ने आगे कहा कि अब जब यह लड़ाई सैन्य रूप से काफी हद तक जीत ली गई है और खतरा कम हो गया है, तब सहयोगी देश केवल तेल की कीमतों पर चिंता जता रहे हैं। उन्होंने होर्मुज जलडमरूमध्य का जिक्र करते हुए कहा कि इसे फिर से खोलना एक "सरल सैन्य कार्रवाई" है, लेकिन नाटो देश इसमें भी सहयोग नहीं कर रहे हैं। ट्रम्प के अनुसार, यही जलडमरूमध्य वैश्विक तेल आपूर्ति का अहम मार्ग है और इसके अवरुद्ध होने से ही तेल की कीमतों में उछाल आया है।अपने बयान में ट्रम्प ने नाटो सहयोगियों को "कायर" तक करार दिया और कहा कि अमेरिका इस रवैये को याद रखेगा। उनका यह बयान ऐसे समय में आया है जब मध्य पूर्व में संघर्ष लगातार बढ़ रहा है और वैश्विक ऊर्जा बाजार पर इसका सीधा असर देखा जा रहा है।विशेषज्ञों का मानना है कि ट्रम्प का यह बयान न केवल नाटो के भीतर मतभेदों को उजागर करता है, बल्कि अमेरिका की पारंपरिक विदेश नीति पर भी सवाल खड़े करता है। नाटो लंबे समय से सामूहिक सुरक्षा के सिद्धांत पर काम करता रहा है, लेकिन हालिया घटनाक्रम ने सदस्य देशों के बीच रणनीतिक प्राथमिकताओं में अंतर को सामने ला दिया है।मध्य पूर्व में जारी संघर्ष और होर्मुज जलडमरूमध्य की स्थिति को लेकर अनिश्चितता के बीच ट्रम्प की यह टिप्पणी वैश्विक कूटनीति और सुरक्षा समीकरणों पर दूरगामी प्रभाव डाल सकती है।

एयर इंडिया की दिल्ली-वैंकूवर फ्लाइट बीच रास्ते से लौटी, 7 घंटे बाद सुरक्षित लैंडिंग

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

एयर इंडिया की दिल्ली से वैंकूवर जाने वाली फ्लाइट एआई-185 को 19 मार्च को उड़ान भरने के बाद बीच रास्ते से वापस लौटना पड़ा। एयरलाइन ने एक आधिकारिक बयान जारी कर इसकी पुष्टि की है। फ्लाइट ट्रैकिंग डेटा के अनुसार, विमान ने इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आईजीआई) हवाई अड्डे से उड़ान भरी थी, लेकिन चीनी हवाई क्षेत्र से गुजरते समय उसे यू-टर्न लेना पड़ा और वह अंततः सुरक्षित रूप से दिल्ली लौट आया।एयर इंडिया के अनुसार, यह निर्णय "एक परिचालन समस्या" के कारण लिया गया और यह पूरी तरह से स्थापित मानक संचालन प्रक्रियाओं के अनुरूप था। हालांकि, एयरलाइन ने इस समस्या के बारे में विस्तृत जानकारी साझा नहीं की है। विमान के सुरक्षित लैंडिंग के बाद सभी यात्री और चालक दल के सदस्य बिना किसी नुकसान के बाहर निकल गए।जानकारी के मुताबिक, इस उड़ान का संचालन बोइंग 777-200 एलआर विमान (वीटी-एईआई) द्वारा किया जा रहा था, जबकि सामान्यतः इस मार्ग पर बोइंग 777-337 (ईआर) का उपयोग किया जाता है। सूत्रों का कहना है कि विमान से जुड़ी किसी प्रशासनिक या तकनीकी समस्या के कारण यह फैसला लिया गया हो सकता है, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है।फ्लाइट को सात घंटे से अधिक समय तक हवा

में रहने के बाद वापस लौटना पड़ा, जिससे यात्रियों को काफी असुविधा का सामना करना पड़ा। एयर इंडिया ने अपने बयान में यात्रियों से हुई असुविधा के लिए खेद व्यक्त किया है और कहा है कि दिल्ली में मौजूद ग्राउंड टीम ने यात्रियों की हर संभव सहायता की।एयरलाइन के अनुसार, यात्रियों के लिए होटल में ठहरने की व्यवस्था की गई और उन्हें जल्द से जल्द उनके गंतव्य तक पहुंचाने के लिए वैकल्पिक प्रबंध किए गए। हालांकि, विमान में सवार यात्रियों की संख्या और मार्ग परिवर्तन के सटीक कारणों को लेकर अभी तक कोई विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है।यह घटना ऐसे समय सामने आई है जब अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में सुरक्षा और परिचालन मानकों को लेकर विशेष सतर्कता बरती जा रही है।

अमेरिकी युद्धक विमानों को श्रीलंका ने नहीं दी लैंडिंग की अनुमति, तटस्थ नीति पर कायम सरकार

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके ने शुक्रवार को संसद को संबोधित करते हुए खुलासा किया कि सरकार ने इस महीने की शुरुआत में दो अमेरिकी युद्धक विमानों को मट्टाला अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरने की अनुमति देने से इनकार कर दिया था। राष्ट्रपति के अनुसार, जिबूती में तैनात इन विमानों ने 2 मार्च और 4 मार्च को लैंडिंग की अनुमति मांगी थी, लेकिन दोनों ही अनुरोध ठुकरा दिए गए।दिसानायके ने स्पष्ट किया कि बढ़ते भू-राजनीतिक दबावों के बावजूद श्रीलंका अपनी संतुलित और तटस्थ विदेश नीति पर कायम है। उन्होंने कहा, "हम कई तरह के दबावों का सामना कर रहे हैं, लेकिन हम अपनी तटस्थता बनाए रखना चाहते हैं। हम झुकेंगे नहीं। मध्य पूर्व में जारी युद्ध चुनौतियां जरूर पेश कर रहा है, लेकिन हम हर संभव प्रयास करेंगे कि निष्पक्ष बने रहें।" उन्होंने यह भी बताया कि इन अमेरिकी विमानों में प्रत्येक में आठ एंटी-शिप मिसाइलें लगी थीं, जिसे देखते हुए श्रीलंका ने उन्हें उतरने की अनुमति नहीं दी।यह बयान उस समय आया जब राष्ट्रपति की दक्षिण और मध्य एशिया के लिए अमेरिकी विशेष दूत सर्जियो गोर के साथ महत्वपूर्ण बैठक हुई। इस बैठक में समुद्री मार्गों की सुरक्षा, बंदरगाहों की सुरक्षा को

मजबूत करने, व्यापारिक सहयोग बढ़ाने और खुले हिंद-प्रशांत क्षेत्र को बढ़ावा देने जैसे मुद्दों पर चर्चा हुई।इसी बीच, क्षेत्र में बढ़ते तनाव ने स्थिति को और संवेदनशील बना दिया है। 4 मार्च को अमेरिका ने गाले तट के पास ईरानी फ्रिगेट 'आइरिस डेना' को टॉरपीडो हमले में नष्ट कर दिया, जिसमें 84 नाविकों की मौत हो गई, जबकि 32 को बचा लिया गया। बताया गया कि यह जहाज हाल ही में विशाखापत्तनम से रवाना हुआ था। इसके दो दिन बाद एक अन्य ईरानी पोत 'आइरिस बुशहर' 219 नाविकों के साथ कोलंबो बंदरगाह की ओर बढ़ा, लेकिन अधिकारियों ने उसे त्रिंकोमाली की दिशा में मोड़ दिया। वहां स्थित नौसैनिक सुविधा केंद्र में 204 नाविकों को रखा गया है। बढ़ते क्षेत्रीय तनाव और संभावित ईंधन संकट को देखते हुए श्रीलंका सरकार ने एहतियाती कदम भी उठाए हैं। सरकार ने चार दिवसीय कार्य सप्ताह लागू करने की घोषणा की है, जिसके तहत हर बुधवार को सार्वजनिक अवकाश रहेगा। यह व्यवस्था 18 मार्च से लागू की गई है। आवश्यक सेवाओं के आयुक्त जनरल प्रभात चंद्रकीर्ति ने बताया कि यह नियम स्वास्थ्य सेवाओं, बंदरगाहों, जल आपूर्ति और सीमा शुल्क पर लागू नहीं होगा, जबकि स्कूलों, विश्वविद्यालयों और न्यायपालिका पर इसका प्रभाव पड़ेगा। सरकार ने निजी क्षेत्र से भी इस कदम का पालन करने की अपील की है।

संपादक की कलम से

आज ई-न्यूज़पेपर न केवल सूचना का प्रमुख स्रोत बन चुका है, बल्कि यह समाज की सोच और दिशा को भी प्रभावित कर रहा है। इंटरनेट और स्मार्टफोन की बढ़ती पहुंच ने हर व्यक्ति को खबरों से जोड़ दिया है, जिससे जानकारी का प्रवाह पहले की तुलना में कहीं अधिक तेज और व्यापक हो गया है। यह बदलाव जहां एक ओर लोकतंत्र को मजबूत करता है, वहीं दूसरी ओर कई नई चुनौतियां भी सामने लाता है।ई-न्यूज़पेपर की सबसे बड़ी विशेषता इसकी तात्कालिकता है। किसी भी घटना की जानकारी कुछ ही क्षणों में पाठकों तक पहुंच जाती है। इससे लोग देश-दुनिया की गतिविधियों से तुरंत अवगत हो जाते हैं और अपनी राय बना पाते हैं। साथ ही, यह माध्यम कागज की बचत कर पर्यावरण संरक्षण में भी योगदान देता है। पाठकों को अपनी सुविधा के अनुसार कहीं भी और कभी भी समाचार पढ़ने की आज़ादी मिलती है, जो पारंपरिक अखबारों में संभव नहीं थी।हालांकि, इस तेज़ी के साथ विश्वसनीयता का प्रश्न भी उतना ही महत्वपूर्ण हो जाता है। कई बार जल्दबाजी में बिना पुष्टि के खबरें प्रकाशित हो जाती हैं, जिससे भ्रम और अफवाहें फैलती हैं। सोशल मीडिया के प्रभाव के कारण ई-न्यूज़ प्लेटफॉर्म पर प्रतिस्पर्धा बढ़ गई है, और अधिक क्लिक पाने की होड़ में कुछ संस्थान सनसनीखेज खबरों को प्राथमिकता देने लगते हैं। यह प्रवृत्ति पत्रकारिता के मूल सिद्धांतों के विपरीत है, जहां सत्यता और निष्पक्षता सर्वोपरि होनी चाहिए।इसके अलावा, डिजिटल माध्यम में फेक न्यूज का खतरा भी गंभीर रूप से उभरकर सामने आया है। आम पाठक के लिए सही और गलत जानकारी में अंतर करना कठिन हो जाता है। इस स्थिति में मीडिया संस्थानों की जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है कि वे तथ्यों की जांच कर ही समाचार प्रकाशित करें। साथ ही, पाठकों को भी जागरूक होना होगा और किसी भी जानकारी पर आंख मूंदकर विश्वास करने से बचना होगा।ई-न्यूज़पेपर का एक सकारात्मक पहलू यह भी है कि यह विविधता और बहस को प्रोत्साहित करता है। विभिन्न दृष्टिकोणों और विचारों को जगह मिलती है, जिससे समाज में स्वस्थ संवाद को बढ़ावा मिलता है। यह लोकतांत्रिक मूल्यों को सशक्त बनाता है और लोगों को अपनी आवाज़ उठाने का मंच प्रदान करता है।अंततः, यह कहा जा सकता है कि ई-न्यूज़पेपर ने पत्रकारिता के क्षेत्र में एक नई क्रांति ला दी है। इसकी शक्ति और प्रभाव को देखते हुए यह आवश्यक है कि इसे जिम्मेदारी और नैतिकता के साथ संचालित किया जाए। यदि मीडिया संस्थान अपनी विश्वसनीयता बनाए रखते हैं और पाठक सजग रहते हैं, तो यह माध्यम समाज के विकास और जागरूकता में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

एआईएनआरसी-भाजपा में सीट समझौता,
एनडीए हुआ मजबूत

पुडुचेरी में एआईएनआरसी-भाजपा के बीच सीट समझौता तय हुआ, जिसमें 16 सीटें एआईएनआरसी और 14 भाजपा को मिलीं। एनडीए मजबूत हुआ। वहीं कांग्रेस-डीएमके गठबंधन में नेतृत्व को लेकर विवाद जारी है। चुनाव 9 अप्रैल को होंगे, जबकि रंगासामी जल्द नामांकन दाखिल कर सकते हैं।

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। अखिल भारतीय एनआर कांग्रेस (एआईएनआरसी) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बीच सीट बंटवारे का समझौता अंतिम रूप ले चुका है, जिससे राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) को मजबूती मिली है। यह समझौता एआईएनआरसी के प्रमुख और मुख्यमंत्री एन. रंगासामी तथा भाजपा के केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया के बीच बातचीत के बाद तय हुआसमझौते के तहत एआईएनआरसी को 16 सीटें और भाजपा को 14 सीटें आवंटित की गई हैं। भाजपा के हिस्से की सीटों में सहयोगी दलों—एआईएडीएमके और एलजेके—के लिए भी सीटें शामिल हैं। इस समझौते के साथ ही 9 अप्रैल को होने वाले विधानसभा चुनाव का रास्ता साफ हो गया है। पुडुचेरी की सभी 30 सीटों पर एक ही चरण में मतदान कराया जाएगा।सूत्रों के अनुसार, मुख्यमंत्री एन. रंगासामी जल्द ही अपना नामांकन दाखिल कर सकते हैं और इस बार उनके दो निर्वाचन क्षेत्रों से चुनाव लड़ने की संभावना जताई जा रही है। इससे पहले यह अटकलें तेज थीं कि रंगासामी एनडीए से अलग होकर अभिनेता विजय की पार्टी तमिलगा वेट्री कज़गम (टीवीके) के साथ गठबंधन कर सकते हैं। हालांकि, भाजपा नेतृत्व ने स्थिति को संभालने में तेजी दिखाई और अपने चुनाव प्रभारी तथा केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया को विशेष विमान से पुडुचेरी भेजा। माना जा रहा है कि उनकी पहल के बाद रंगासामी को एनडीए में बनाए रखने में सफलता मिली।अब यह लगभग स्पष्ट हो गया है कि पुडुचेरी में एआईएनआरसी ही एनडीए का नेतृत्व करती रहेगी। इस गठबंधन के मजबूत होने से विपक्षी दलों के सामने चुनौती बढ़ गई है। दूसरी ओर, कांग्रेस और द्रविड़ मुन्नेत्र कड़गम (डीएमके) के बीच गठबंधन को लेकर अभी भी स्थिति स्पष्ट नहीं है। दोनों दलों के बीच नेतृत्व को लेकर मतभेद सामने आए हैं।कांग्रेस, पिछले चुनावों की तरह इस बार भी पुडुचेरी में धर्मनिरपेक्ष प्रगतिशील गठबंधन (एसपीए) का नेतृत्व करना चाहती है, जबकि डीएमके ने स्पष्ट कर दिया है कि वह तमिलनाडु की तर्ज पर पुडुचेरी में भी गठबंधन की कमान अपने हाथ में रखना चाहती है। इस मुद्दे पर दोनों दलों के बीच सहमति नहीं बन पाई है, जिससे गठबंधन में गतिरोध की स्थिति बनी हुई है।नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि नजदीक आने के साथ राजनीतिक गतिविधियां और तेज हो गई हैं। डीएमके सूत्रों का कहना है कि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन शुक्रवार या शनिवार को पुडुचेरी में गठबंधन को लेकर कोई अहम फैसला ले सकते हैं, जिससे स्थिति स्पष्ट हो सकती है।इसी बीच, मुख्यमंत्री एन. रंगासामी ने चुनाव से पहले धार्मिक स्थलों का दौरा किया। उन्होंने तमिलनाडु के सलेम स्थित श्री सर्गुरु अप्पा पैथियम स्वामीगल मंदिर, तिरुचेंदूर के सुब्रमण्य स्वामी मंदिर और मदुरै के प्रसिद्ध मीनाक्षी मंदिर में पूजा-अर्चना की। एआईएनआरसी सूत्रों के अनुसार, उन्होंने अपनी पार्टी और गठबंधन के उम्मीदवारों की जीत के लिए ईश्वर से आशीर्वाद मांगा। दिलचस्प बात यह रही कि इस यात्रा के दौरान उनके साथ पार्टी का कोई अन्य नेता मौजूद नहीं था। मदुरै-थूथुकुडी राजमार्ग पर यात्रा करते समय चुनाव अधिकारियों ने उनकी कार की नियमित जांच भी की। चुनावी माहौल के बीच यह

'यह हमारा युद्ध नहीं'—तिवारी ने दी रणनीतिक दूरी बनाए रखने की सलाह

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

कांग्रेस सांसद मनीष तिवारी ने गुरुवार को पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच केंद्र सरकार के संतुलित रुख का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि भारत को अपनी रणनीतिक स्वायत्तता बनाए रखते हुए इस जटिल भू-राजनीतिक स्थिति में सतर्क कूटनीति अपनानी चाहिए। तिवारी ने स्पष्ट किया कि भारत का ऐतिहासिक रूप से मध्य पूर्व के संघर्षों में सीमित हस्तक्षेप रहा है, इसलिए उसे अनावश्यक रूप से किसी पक्ष में नहीं पड़ना चाहिए।ईरान, इज़राइल और अमेरिका के बीच बढ़ते टकराव पर टिप्पणी करते हुए तिवारी ने कहा कि यह केवल एक युद्ध नहीं, बल्कि कई परस्पर जुड़े संघर्षों का समूह है। उन्होंने कहा कि इज़राइल और ईरान के बीच जो घटनाएं हो रही हैं और अमेरिका का किसी एक पक्ष का समर्थन करना, यह भारत का युद्ध नहीं है। उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत को उन संघर्षों से दूर रहना चाहिए जिनका उससे प्रत्यक्ष संबंध नहीं है। मनीष तिवारी ने कहा कि भारत का सतर्क और संतुलित दृष्टिकोण सही दिशा में उठाया गया कदम है। उनके अनुसार, रणनीतिक स्वायत्तता का अर्थ है अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा करते हुए स्वतंत्र निर्णय लेने की क्षमता। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि भारत ने इस पूरे संकट के दौरान संवाद और कूटनीति पर जोर दिया है, ताकि क्षेत्र में शांति और स्थिरता बनी रहे। भारत ने एक ओर खाड़ी क्षेत्र में ईरानी हमलों की निंदा की है, वहीं दूसरी ओर तेहरान के साथ संपर्क भी बनाए रखा है, ताकि होर्मुज जलडमरूमध्य के जरिए तेल और गैस की आपूर्ति सुरक्षित रह सके। यह मार्ग वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि दुनिया के बड़े हिस्से का तेल और गैस इसी रास्ते से गुजरता है। गौरतलब है कि यह संघर्ष 28 फरवरी को उस समय शुरू हुआ जब अमेरिका और इज़राइल ने ईरान के भीतर समन्वित हमले किए। इसके जवाब में तेहरान ने खाड़ी क्षेत्र में अमेरिकी और इज़राइली ठिकानों को निशाना बनाया, जिससे क्षेत्रीय तनाव और बढ़ गया। इस स्थिति को देखते हुए भारत सरकार क्षेत्र में हो रहे घटनाक्रम पर कड़ी नजर बनाए हुए है।

श्रीनगर में बोले अब्दुल्ला
लोगों के लिए शांति जरूरी

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

जम्मू-कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस (जेकेएनसी) के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष को लेकर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए इसे जल्द समाप्त करने की अपील की है। उन्होंने शांति और आम लोगों के कल्याण के लिए प्रार्थना करते हुए कहा कि इस युद्ध के प्रभाव केवल क्षेत्र तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि पूरी दुनिया पर इसका असर पड़ेगा।शुक्रवार को श्रीनगर में पत्रकारों से बातचीत के दौरान अब्दुल्ला ने कहा, "अल्लाह इस युद्ध को समाप्त करे, शांति लाए और लोगों को सुकून से जीने दे। इसका असर पूरी दुनिया पर पड़ेगा, इसलिए इस युद्ध को जल्द से जल्द खत्म किया जाना चाहिए।" उनके इस बयान को मौजूदा वैश्विक हालात के संदर्भ में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।पश्चिम एशिया में बढ़ता यह संघर्ष अब 21वें दिन में प्रवेश कर चुका है। जानकारी के अनुसार, यह टकराव 28 फरवरी को अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान पर किए गए संयुक्त हमले के बाद शुरू हुआ था। इस हमले में ईरान के 86 वर्षीय सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत हो गई थी। उनकी मृत्यु के बाद उनके पुत्र मोजतबा खामेनेई को इस्लामी गणराज्य का नया सर्वोच्च नेता नियुक्त किया गया।इस घटनाक्रम के बाद क्षेत्र में तनाव और अधिक बढ़ गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, ईरान ने रणनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण होर्मुज जलडमरूमध्य पर दबाव बनाना शुरू कर दिया है। यह जलमार्ग वैश्विक तेल और गैस आपूर्ति के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। ऐसे में यहां किसी भी प्रकार का व्यवधान अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा बाजार और समुद्री व्यापार पर गंभीर असर डाल सकता है, जिससे वैश्विक आर्थिक स्थिरता पर खतरा मंडरा रहा है।इसी बीच, भारत ने भी पश्चिम एशिया की स्थिति को लेकर सक्रिय कूटनीतिक पहल शुरू कर दी है। विदेश मंत्रालय के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को पांच देशों के नेताओं से फोन पर बातचीत कर मौजूदा हालात पर चर्चा की। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि प्रधानमंत्री ने ओमान, मलेशिया, फ्रांस, जॉर्डन और कतर के नेताओं

से संवाद किया। इन वार्ताओं के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने भारत का स्पष्ट रुख रखते हुए तनाव कम करने और शांति बहाली के लिए संवाद और कूटनीति को प्राथमिकता देने पर जोर दिया। साथ ही, उन्होंने ऊर्जा अवसंरचना पर हो रहे हमलों की निंदा की और क्षेत्र में स्थिरता बनाए रखने के लिए सभी पक्षों से संयम बरतने की अपील की।

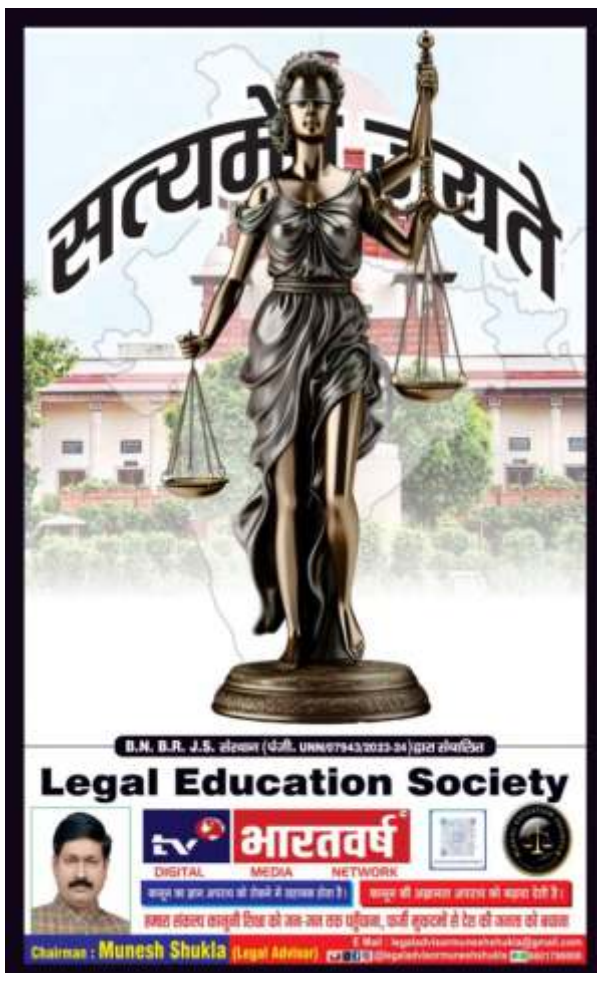

अभ्यर्थियों को चेतावनी

फर्जी नोटिफिकेशन से रहें सावधान

बिहार पुलिस में कॉन्स्टेबल के 22 हजार से अधिक पदों पर भर्ती को लेकर सोशल मीडिया पर वायरल हो रही खबरों को लेकर केंद्रीय चयन पर्षद (CSBC) ने बड़ा स्पष्टीकरण जारी किया है। केंद्रीय चयन पर्षद ने स्पष्ट किया है कि 22,771 पदों पर भर्ती से संबंधित जो विज्ञापन सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों पर प्रसारित किया जा रहा है, वह पूरी तरह से भ्रामक और फर्जी है। दरअसल, पिछले कुछ दिनों से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स और कुछ इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों पर यह दावा किया जा रहा था कि बिहार पुलिस में 22,771 कॉन्स्टेबल पदों पर नई भर्ती निकाली गई है। इस खबर के सामने आने के बाद बड़ी संख्या में अभ्यर्थी आवेदन प्रक्रिया शुरू होने का इंतजार कर रहे थे। कई उम्मीदवार इस सूचना को सही मानकर आधिकारिक वेबसाइट पर लगातार अपडेट चेक कर रहे थे।इसी बीच केंद्रीय चयन पर्षद ने अपनी आधिकारिक वेबसाइट csbc.bihar.gov.in पर एक नोटिस जारी कर इन अफवाहों पर विराम लगा दिया। पर्षद ने अपने नोटिस में साफ शब्दों में कहा है कि 19 मार्च 2026 को उनके द्वारा किसी भी प्रकार की भर्ती से संबंधित सूचना जारी नहीं की गई है। इसके साथ ही यह भी बताया गया कि 22,771 पदों पर भर्ती का जो विज्ञापन वायरल हो रहा है, उसका पर्षद से कोई संबंध नहीं है। सीएसबीसी ने अपने

आधिकारिक बयान में कहा, "सोशल मीडिया एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया पर बिहार पुलिस में सिपाही के 22,771 पदों से संबंधित फर्जी विज्ञापन प्रकाशित किए जाने की भ्रामक सूचना प्रकाश में आई है। ऐसे में यह सूचित किया जाता है कि पर्षद द्वारा 19 मार्च 2026 को भर्ती से संबंधित कोई भी सूचना प्रकाशित नहीं की गई है। अतः अभ्यर्थी ऐसी किसी भी भ्रामक सूचना पर ध्यान न दें।"पर्षद ने उम्मीदवारों को सलाह दी है कि वे केवल आधिकारिक वेबसाइट और विश्वसनीय स्रोतों से ही जानकारी प्राप्त करें। किसी भी अनजान वेबसाइट, लिंक या सोशल मीडिया पोस्ट के आधार पर आवेदन करने या व्यक्तिगत जानकारी साझा करने से बचने की अपील भी की गई है। अधिकारियों ने यह भी संकेत दिया है कि फर्जी विज्ञापन फैलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जा सकती है। यह पहली बार नहीं है जब सरकारी नौकरियों को लेकर इस तरह की भ्रामक सूचनाएं वायरल हुई हों। ऐसे मामलों में अभ्यर्थियों को सतर्क रहने की जरूरत होती है, ताकि वे धोखाधड़ी या गलत जानकारी के शिकार न बनें। फिलहाल, बिहार पुलिस में 22,771 कॉन्स्टेबल पदों पर भर्ती की खबर पूरी तरह से गलत साबित हुई है और उम्मीदवारों को आधिकारिक सूचना का इंतजार करने की सलाह दी गई है।

इंडियन ओपन स्क्वाश: अनाहत सिंह की शानदार जीत, एल्काबानी ने किया बड़ा उलटफेर

भारत की उभरती स्टार अनाहत सिंह ने गुरूवार को इंडियन ओपन स्क्वाश में शानदार प्रदर्शन करते हुए सीधे गेम में जीत दर्ज कर अपना दबदबा कायम रखा। महिलाओं की शीर्ष वरीय अनाहत ने मिस्र की फरीदा वालिद को 3-0 से हराकर अगले दौर में जगह बनाई। टूर्नामेंट का सबसे बड़ा उलटफेर पुरूष वर्ग में देखने को मिला, जहां मिस्र के इब्राहिम एल्काबानी ने शीर्ष वरीय याह्या एल्नवासनी को कड़े मुकाबले में 3-2 से हराया। यह मुकाबला 66 मिनट तक चला और दर्शकों को रोमांच से भर दिया। एल्काबानी की यह जीत प्रतियोगिता की सबसे बड़ी चौंकाने वाली घटनाओं में से एक मानी जा रही है। मिस्र के ही मोहम्मद शरफ ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए हांगकांग के ची हिम वोंग को पांच गेम तक चले संघर्षपूर्ण मुकाबले में हराया। यह मुकाबला भी बेहद रोमांचक रहा और अंत तक दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली।भारतीय खिलाड़ियों ने भी अच्छा प्रदर्शन किया। अभय सिंह ने हांगकांग के मैथ्यू लाई को 3-0 से हराकर अपनी ताकत दिखाई। वहीं तन्वी खन्ना ने मिस्र की नूर खफागी को सीधे गेम में 3-0 से मात दी।वीर चोटरानी ने अपने मुकाबले की शुरूआत शानदार की, लेकिन उनके प्रतिद्वंद्वी के बीच में ही रिटायर होने के कारण मैच अधूरा ही समाप्त हो गया। अनुभवी जोशना चिनप्पा ने भी अपनी काबिलियत का प्रदर्शन करते हुए ब्रिएन फ्लिन को चार गेम तक चले मुकाबले में पराजित किया। हालांकि, वेलावन सेंथिलकुमार को अमीशेनराज चंद्रन के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा, जबकि रमित टंडन भी डंकन ली के खिलाफ सीधे गेम में मुकाबला गंवा बैठे। कुल मिलाकर इंडियन ओपन स्क्वाश में भारतीय और विदेशी खिलाड़ियों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिल रही है, जिसमें कई रोमांचक मुकाबले दर्शकों को आकर्षित कर रहे हैं।

IPL 2026 से पहले अभिषेक को मिला

खास गुरूमंत्र

BCCI का बड़ा खुलासा

अगरकर ने नहीं की एक्सटेंशन की मांग

भारतीय क्रिकेट चयन समिति के अध्यक्ष अजीत अगरकर के कार्यकाल को लेकर चल रही अटकलों पर विराम लग गया है। हालिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा था कि अगरकर ने 2027 वनडे विश्व कप तक अपना कार्यकाल बढ़ाने के लिए भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड से अनुरोध किया है, लेकिन बोर्ड के एक वरिष्ठ अधिकारी ने इन खबरों का स्पष्ट खंडन किया है। बताया जा रहा है कि अगरकर का मौजूदा कार्यकाल सितंबर 2026 में समाप्त हो रहा है और उनके भविष्य को लेकर कोई भी निर्णय उसी समय लिया जाएगा। बीसीसीआई अधिकारी के अनुसार, अभी तक कार्यकाल विस्तार को लेकर कोई औपचारिक बातचीत नहीं हुई है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड के संविधान के तहत एक वरिष्ठ चयनकर्ता चार वर्षों तक अपने पद पर बने रह सकते हैं, इसलिए अगरकर को विस्तार के लिए अलग से आवेदन करने की आवश्यकता नहीं है।अजीत अगरकर ने वर्ष 2023 में वरिष्ठ पुरुष चयन समिति के अध्यक्ष का पद संभाला था। उनके नेतृत्व में भारतीय टीम ने उल्लेखनीय सफलता हासिल की, जिसमें टी20 विश्व कप 2024 और चैंपियंस ट्रॉफी में जीत शामिल है। इन उपलब्धियों के बाद 2025 में उनके अनुबंध को

एक वर्ष के लिए बढ़ा दिया गया था।इस महीने की शुरूआत में भारत की टी20 विश्व कप 2026 जीत के बाद उनके योगदान की काफी सराहना हुई। मुख्य कोच गौतम गंभीर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि अगरकर को भले ही आलोचनाओं का सामना करना पड़ा हो, लेकिन उनकी ईमानदारी और मेहनत टीम की सफलता में अहम रही है।अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति ने कई कठिन फैसले भी लिए, जिनमें खराब फॉर्म के चलते शुभमन गिल को विश्व कप टीम से बाहर करना और ईशान किशन को टीम में वापस शामिल करना शामिल है। फिलहाल, उनके भविष्य पर अंतिम निर्णय सितंबर 2026 के बाद ही लिया जाएगा।

भुवनेश्वर बनेगा मेजबान शहर

भारत को 2028 विश्व इंडोर एथलेटिक्स चैंपियनशिप की मेजबानी

भारत को अंतरराष्ट्रीय खेल जगत में बड़ी उपलब्धि मिली है। विश्व एथलेटिक्स परिषद की पोलैंड में हुई बैठक में भारत को वर्ष 2028 की प्रतिष्ठित विश्व इंडोर एथलेटिक्स चैंपियनशिप की मेजबानी के अधिकार सौंपे गए हैं। यह प्रतियोगिता भुवनेश्वर में आयोजित की जाएगी।यह निर्णय पोलैंड के तोरून में 2025 विश्व इंडोर एथलेटिक्स चैंपियनशिप शुरू होने से एक दिन पहले लिया गया। विश्व एथलेटिक्स के उपाध्यक्ष आदिल सुमारिवाला ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि भारत को 2028 संस्करण की मेजबानी सौंपी गई है। भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) ने इस साल की शुरूआत में इस प्रतियोगिता के लिए अपनी दावेदारी पेश की थी। जनवरी में विश्व एथलेटिक्स की एक टीम ने भुवनेश्वर स्थित कलिंगा स्टेडियम परिसर में बनी अत्याधुनिक इंडोर सुविधा का निरीक्षण भी किया था। इस दौरान एएफआई और ओडिशा सरकार के अधिकारियों ने अपनी तैयारियों और सुविधाओं का प्रदर्शन किया।एएफआई के अध्यक्ष बहादुर सिंह सागू ने इस उपलब्धि को भारतीय एथलेटिक्स के बढ़ते कद का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि ओलंपिक और विश्व स्तर पर भारतीय खिलाड़ियों, खासकर नीरज चोपड़ा के लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन ने दुनिया का ध्यान भारत की ओर खींचा है। इससे पहले न्यूजीलैंड ने भी 2028 चैंपियनशिप की मेजबानी में रुचि दिखाई थी, लेकिन अंततः भारत को यह जिम्मेदारी मिली। यह प्रतियोगिता हर दो साल में आयोजित की जाती है, जिसमें आमतौर पर 26 स्पर्धाएं होती हैं। इनमें पुरुष और महिला वर्ग की 13-13 स्पर्धाएं शामिल रहती हैं। पोलैंड में आयोजित होने वाले मौजूदा संस्करण में पहली बार चार गुणा 400 मीटर मिश्रित रिले को भी शामिल किया गया है। 2028 में भारत में होने वाली इस चैंपियनशिप से देश में एथलेटिक्स को नई पहचान और बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

शुरूआती मैचों में नहीं खेल पाएंगे मथीशा पथिराना,

अप्रैल मध्य तक फिट होने की उम्मीद

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 से पहले कोलकाता नाइट राइडर्स को बड़ा झटका लगा है। टीम के मुख्य कोच अभिषेक नायर ने पुष्टि की है कि श्रीलंका के तेज गेंदबाज मथीशा पथिराना शुरूआती मैचों में उपलब्ध नहीं रहेंगे। उन्होंने बताया कि फ्रेंचाइजी लगातार श्रीलंका क्रिकेट के संपर्क में है, जो फिलहाल खिलाड़ी के रिहैबिलिटेशन की निगरानी कर रहा है। जियोस्टार द्वारा आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में नायर ने कहा कि पथिराना की फिटनेस को लेकर जो ताजा जानकारी मिली है, उसके अनुसार वह अप्रैल के मध्य तक पूरी तरह फिट हो सकते हैं। इसके बाद ही उनके टीम से जुड़ने की संभावना है। फिलहाल केकेआर को शुरूआती मुकाबलों में उनके बिना ही उतरना होगा। गौरतलब है कि आईपीएल नीलामी में पथिराना को 18 करोड़ रुपये की बड़ी कीमत पर खरीदा गया था। उनसे उम्मीद की जा रही थी कि वह टीम की डेथ ओवर गेंदबाजी को मजबूत करेंगे, खासकर आंद्रे रसेल की अनुपस्थिति में। हालांकि, टी20 विश्व कप के दौरान उन्हें हैमस्ट्रिंग में चोट लग गई, जिसके कारण वह टूर्नामेंट से बाहर हो गए और अब आईपीएल के शुरूआती तीन मैचों में भी नहीं खेल पाएंगे।इस बीच, युवा तेज गेंदबाज हर्षित राणा भी चोट के कारण फिलहाल बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में हैं। नायर ने बताया कि उनकी स्थिति पर अपडेट मिलने के बाद टीम उनके संभावित विकल्प को लेकर निर्णय लेगी।कोच नायर ने कहा कि टीम प्रबंधन जल्दबाजी में कोई फैसला नहीं करना चाहता और संभावित खिलाड़ियों का मूल्यांकन किया जा रहा है। केकेआर के साथ इस समय केएम आसिफ, सिमरजीत सिंह और नवदीप सैनी जैसे तेज गेंदबाज अभ्यास कर रहे हैं, जिनमें से किसी एक को टीम में शामिल किया जा सकता है। अभिषेक नायर ने यह भी बताया कि टीम 23 मार्च को एक और अभ्यास मैच खेलेगी, जिसके बाद अंतिम फैसला लिया जाएगा। उन्होंने संकेत दिया कि मुंबई रवाना

होने से पहले टीम अपने चयन को अंतिम रूप दे सकती है। उल्लेखनीय है कि केकेआर आईपीएल 2026 में अपना पहला मुकाबला 29 मार्च को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में मुंबई इंडियंस के खिलाफ खेलेगी। ऐसे में शुरूआती मैचों में पथिराना की गैरमौजूदगी टीम के लिए चुनौती साबित हो सकती है।

अब नहीं रहा अकेला; सामने आया वीडियो

बेबी मंकी 'पंच' को मिली 'गर्लफ्रेंड'

पंच की कहानी काफी भावुक रही है. जन्म के बाद उसकी मां ने उसे छोड़ दिया था. ऐसे में जू के कर्मचारियों ने उसे एक सॉफ्ट टॉय दिया, ताकि वह उससे चिपकना सीख सके. यह मैकाक बंदरों के लिए बेहद जरूरी व्यवहार होता है.

पंच को एक नई साथी मिल गई है (Photo:X/@Mofumofu0004)

सोशल मीडिया पर इन दिनों पंच की नई तस्वीरें और वीडियो तेजी से वायरल हो रहे हैं. कभी अकेलेपन में खिलौने से चिपककर रहने वाला यह मैकाक अब अपनी नई साथी के साथ खेलता-कूदता नजर आ रहा है. जापान के इचिकावा सिटी जू में रहने वाला पंच पहले भी चर्चा में आ चुका है. उस समय उसकी तस्वीरें सामने आई थीं, जब वह एक खिलौना बंदर को कसकर पकड़े हुए दिखाई देता था. उसकी यह तस्वीर दुनिया भर के लोगों के दिल को छू गई थी. अब रिपोर्ट के मुताबिक, पंच को एक नई साथी मिल गई है, जिसका नाम मोमो-चान बताया जा रहा है. वायरल वीडियो में दोनों को साथ में उछलते-कूदते, एक-दूसरे का पीछा करते और बेहद करीब नजर आते देखा जा सकता है. कुछ पलों में दोनों के बीच स्नेह भी साफ झलकता है. डेली मेल की रिपोर्ट के मुताबिक, मोमो-चान मादा (फीमेल) मैकाक है. उसे उसकी 'गर्लफ्रेंड' के तौर पर बताया जा रहा है. इन वीडियो की खास बात यह है कि पंच का वही पुराना सॉफ्ट टॉय भी नजर आता है, जो कभी उसकी पहचान बन गया था. यह खिलौना उसके जीवन के उस दौर की याद दिलाता है, जब वह पूरी तरह अकेला था. दरअसल, पंच की कहानी काफी भावुक रही है. जन्म के बाद उसकी मां ने उसे छोड़ दिया था. ऐसे में जू के कर्मचारियों ने उसे एक सॉफ्ट टॉय दिया, ताकि वह उससे चिपकना सीख सके. यह मैकाक बंदरों के लिए बेहद जरूरी व्यवहार होता है, जिससे उनमें सुरक्षा और आत्मविश्वास विकसित होता है. जू प्रशासन के अनुसार, यह खिलौना पंच के लिए सिर्फ खेलने की चीज नहीं था, बल्कि उसके लिए एक तरह का सहारा था, जिसने उसे अपने नए माहौल में ढलने में मदद की. समय के साथ पंच ने खुद को संभालना सीख लिया और अब वह पहले से ज्यादा सहज और खुश नजर आता है. अब जब मोमो-चान उसके साथ है, तो उसकी जिंदगी में एक नया मोड़ आ गया है. दोनों की दोस्ती और साथ बिताए पल लोगों को खूब पसंद आ रहे हैं. ⊙

मेट्रो में रील से डरे लोग!

आज के दौर में सोशल मीडिया पर रील बनाने का क्रेज इस हद तक बढ़ गया है कि कई लोग इसके लिए सीमाएं भूलते नजर आ रहे हैं. पब्लिक जगहों से लेकर जोखिम भरे लोकेशन तक, हर जगह वीडियो बनाने की होड़ लगी है. इसी बीच एक ऐसा वीडियो सामने आया है, जिसने लोगों को चौंका दिया है. वायरल क्लिप में एक युवती दिल्ली मेट्रो के अंदर रील शूट करती दिख रही है. बताया जा रहा है कि मेट्रो में यात्री सामान्य तरीके से बैठे हुए थे. ⊙

बच्चों ने दादा का फूलों से किया स्वागत

सिलेंडर आया तो घर में छाई खुशियां

महंगाई और रोजमर्रा की चुनौतियों के बीच आज के समय में छोटी-छोटी जरूरतें भी बड़ी खुशियों की वजह बन सकता है. सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो यही दिखाता है. इस वीडियो को देखकर लोग भावुक भी हो रहे हैं और मुस्कुरा भी रहे हैं. वीडियो में एक साधारण-सा पल असाधारण बन जाता है, जैसे ही दादा जी गैस सिलेंडर लेकर घर पहुंचते हैं, बच्चे खुशी से उछल पड़ते हैं. कोई डांस करने लगता है तो कोई फूल लेकर उनका स्वागत करता है. ऐसा लगता है जैसे सिलेंडर आने से घर में जश्न का माहौल बन गया है. इस वीडियो को शेयर करते हुए कई यूजर्स ने अपनी भावनाएं भी जाहिर कीं. एक यूजर ने लिखा कि हम अक्सर उन चीजों की

अहमियत भूल जाते हैं जो हमारी रोज की जिंदगी का हिस्सा होती हैं. लेकिन किसी परिवार के लिए वही चीज सुकून और राहत का कारण बन जाती है. बच्चों का यह मासूम स्वागत बताता है कि असली खुशी बड़ी चीजों में नहीं, बल्कि छोटे-छोटे पलों में छिपी होती है. हालांकि इस वीडियो को मौजूदा गैस किल्लत से जोड़कर भी देखा जा रहा है, लेकिन इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है. ⊙

टूरिस्ट ने रेस्टोरेंट से मांगा 92 लाख का हर्जाना

खाना मिला तीखा था तो कर दिया केस

एक टूरिस्ट अमेरिका के न्यूयॉर्क घूमने गया था. वहां उसने एक टाको रेस्टोरेंट में खाना खाया. इसके बाद वो बीमार पड़ गया. आज दो साल बाद उसने रेस्टोरेंट से 92 लाख रुपये मुआवजे की मांग की है. उसका दावा था कि रेस्टोरेंट में उसे ऐसा मसालेदार खाना परोसा गया कि वह बीमार पड़ गया. द इंडिपेंडेंट की रिपोर्ट के मुताबिक, जर्मनी के फैसल मंज नाम के टूरिस्ट ने न्यूयॉर्क के टाइम्स स्क्वायर स्थित एक टाक्चेरिया (मैक्सिकन सॉस की दुकान) के खिलाफ मुकदमा दायर किया है. इसमें आरोप लगाया गया कि उन्होंने उसे मसालेदार साल्सा के हद से ज्यादा तीखेपन के बारे में चेतावनी नहीं दी गई थी. फैसल मान्ज़ ने लॉस टैकोस नंबर 1 पर अपने हरे साल्सा के तीखेपन के बारे में चेतावनी नहीं देने का आरोप लगाते हुए 100,000 डॉलर के हर्जाने की मांग की. फैसल ने टाको रेस्तरां पर यह दावा करते हुए हर्जाने का मुकदमा दायर किया कि उसकी सालसा बहुत मसालेदार थी. हालांकि, वह यह मुकदमा हार गया है. शेमरहोफेन के रहने वाले इंजीनियर और शॉर्ट टर्म कानून के छात्र फैसल मंज ने अदालत में दायर दस्तावेजों में आरोप लगाया है कि अगस्त 2024 में टाइम्स स्क्वायर स्थित लॉस टैकोस नंबर 1 में सेल्फ-सर्व ग्रीन साल्सा का एक निवाला खाने के बाद उन्हें शारीरिक तौर पर काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा. ⊙

मसालेदार खाने को लेकर रेस्टोरेंट पर कर दिया केस (Photo- Pexels)

रणवीर सिंह का रौद्र अवतार

ओपनिंग डे पर ही बॉक्स ऑफिस हिलाकर रख दिया

रणवीर सिंह स्टारर फिल्म धुरंधरः द रिवेंज ने बॉक्स ऑफिस पर इतिहास रच दिया है। रिलीज के पहले ही दिन इस फिल्म ने रिकॉर्डतोड़ कमाई करते हुए जवान का रिकॉर्ड पीछे छोड़ दिया है। ट्रेड एनालिस्ट्स के मुताबिक, फिल्म ने ओपनिंग डे पर 97 करोड़ रुपये से अधिक का शानदार कारोबार किया, जो हिंदी सिनेमा के इतिहास में पहले दिन की सबसे बड़ी कमाई मानी जा रही है।इससे पहले साल 2023 में रिलीज हुई 'जवान' ने पहले दिन 75 करोड़ रुपये की कमाई कर रिकॉर्ड बनाया था। हालांकि 'धुरंधर 2' ने इस आंकड़े को पार करते हुए नया बेंचमार्क स्थापित कर दिया है। फिल्म को रिलीज से पहले ही जबरदस्त हाइप मिला था, जिसका असर इसके कलेक्शन में साफ देखने को मिला।फिल्म ने पेड प्रीव्यू के जरिए भी शानदार प्रदर्शन किया। रिपोर्ट्स के अनुसार, पेड प्रीव्यू में ही फिल्म ने 47 करोड़ रुपये का कारोबार कर लिया था। इस तरह पेड प्रीव्यू और पहले दिन की कमाई को मिलाकर फिल्म का कुल कलेक्शन 144 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। ट्रेड पोर्टल सैकनिल्क के मुताबिक, पहले वीकेंड के लिए फिल्म की एडवांस बुकिंग करीब 200 करोड़ रुपये की हो चुकी है, जो अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि है।आम तौर पर किसी फिल्म की 40 से 50 प्रतिशत सीटें ही एडवांस बुक होती हैं, लेकिन 'धुरंधरः द रिवेंज' के मामले में यह आंकड़ा काफी ज्यादा देखा जा रहा है। ऐसे में ट्रेड एक्सपर्ट्स का अनुमान है कि गुरुवार से रविवार के बीच फिल्म का कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 500 करोड़ रुपये के पार जा सकता है।फिल्म की एक और खास बात इसकी लंबाई है। 'धुरंधर 2' की अवधि 3 घंटे 49 मिनट है, जो इसे 21वीं सदी की दूसरी सबसे लंबी बॉलीवुड फिल्म बनाती है। इससे पहले साल 2003 में आई एलओसी कारगिल 4 घंटे 15 मिनट की अवधि के साथ इस सूची में शीर्ष पर है। दिलचस्प बात यह है कि फिल्म का इंटरनेशनल वर्जन 3 घंटे 55 मिनट का है।फिल्म की स्टार कास्ट भी इसकी सफलता का एक बड़ा कारण मानी जा रही है। इसमें रणवीर सिंह के साथ अर्जुन रामपाल, संजय दत्त और आर माधवन अहम भूमिकाओं में नजर आ रहे हैं। फिल्म को आदित्य धर ने लिखा, निर्देशित और प्रोड्यूस किया है। इसके अलावा ज्योति देशपांडे और लोकेश धर भी इसके निर्माता हैं। फिल्म को जियो स्टूडियोज ने प्रस्तुत किया है और यह बी62 स्टूडियोज के बैनर तले बनाई गई है।गौरतलब है कि 'धुरंधर' के पहले पार्ट ने भी बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त सफलता हासिल की थी। फिल्म ने दुनियाभर में करीब 1,307 करोड़ रुपये की कमाई की थी। भारत में इसका ग्रॉस कलेक्शन 1,005.85 करोड़ रुपये और नेट कलेक्शन लगभग 840 करोड़ रुपये रहा। इसके साथ ही यह भारत की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली हिंदी सिंगल-लैंग्वेज फिल्म बन गई थी।ओवरसीज मार्केट में भी फिल्म को शानदार रिस्पॉन्स मिला था। विदेशों में इसने करीब 299.5 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जिसमें अमेरिका

और कनाडा से ही 193.06 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई शामिल रही। इस दौरान फिल्म ने बाहुबली 2 का रिकॉर्ड भी पीछे छोड़ दिया था। खास बात यह रही कि इतनी बड़ी सफलता फिल्म को तब मिली, जब इसे खाड़ी देशों में रिलीज की अनुमति नहीं मिली थी। इसके साथ ही 'धुरंधर' भारतीय सिनेमा की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली 'A' रेटेड फिल्म भी

वीरांगना अवंती बाई लोधी के बलिदान दिवस पर लखनऊ में श्रद्धांजलि

डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने किया माल्यार्पण

लखनऊ में वीरांगना अवंती बाई लोधी के 168वें बलिदान दिवस पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित हुआ। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनके त्याग को नमन किया। उन्होंने लोगों से उनकी जीवनी पढ़कर प्रेरणा लेने की अपील की। कार्यक्रम बारिश के बीच शांतिपूर्वक संपन्न हुआ।

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

राजधानी लखनऊ में शुक्रवार को वीरांगना अवंती बाई लोधी के 168वें बलिदान दिवस के अवसर पर एक गरिमामय श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। तेज बारिश और हवाओं के बीच भी कार्यक्रम में श्रद्धा और उत्साह का माहौल बना रहा। भाजपा मुख्यालय के पास स्थित कैपिटल चौराहे पर स्थापित वीरांगना की प्रतिमा पर उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।खराब मौसम के बावजूद बड़ी संख्या में लोग कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे और वीरांगना अवंती बाई लोधी के अद्वितीय साहस और बलिदान को नमन किया। इस दौरान उपस्थित लोगों में देशभक्ति और सम्मान की भावना स्पष्ट रूप से दिखाई दी। कार्यक्रम स्थल पर सुरक्षा और व्यवस्था के भी व्यापक इंतजाम किए गए थे, जिससे आयोजन शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो सका।डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने इस अवसर पर कहा कि अवंती बाई लोधी का जीवन त्याग, समर्पण और राष्ट्रभक्ति की अद्भुत मिसाल है। उन्होंने कहा कि 168वें बलिदान दिवस के मौके पर वे प्रदेश की जनता और उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि वीरांगना ने सनातन संस्कृति की रक्षा और देश की स्वतंत्रता के लिए अपना सर्वस्व बलिदान कर दिया, जिसे देश सदैव याद रखेगा। अपने संबोधन में ब्रजेश पाठक ने कहा कि आज के समय में युवाओं को ऐसे महान व्यक्तित्वों से प्रेरणा लेने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि वीरांगना अवंती बाई लोधी के जीवन और संघर्ष की कहानी हर व्यक्ति तक पहुंचनी चाहिए, ताकि समाज में राष्ट्रप्रेम और कर्तव्यनिष्ठा की भावना को और मजबूती मिल सके। उन्होंने प्रदेशवासियों से अपील करते हुए कहा कि सभी लोग अवंती बाई लोधी की जीवनी को पढ़ें और उनके आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने का प्रयास करें। उनके विचार आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं, जितने उस समय थे। उन्होंने कहा कि यदि हम उनके दिखाए मार्ग पर चलें, तो समाज और देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं।कार्यक्रम के दौरान अन्य उपस्थित लोगों और कार्यकर्ताओं ने भी वीरांगना को श्रद्धासुमन अर्पित किए। सभी ने एक स्वर में उनके त्याग और बलिदान को नमन किया और उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया। पूरे आयोजन के दौरान वातावरण देशभक्ति और सम्मान से ओत-प्रोत रहा।तेज बारिश और हवाओं के बावजूद कार्यक्रम में कोई अव्यवस्था नहीं हुई। प्रशासन और पुलिस विभाग ने पहले से ही सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित कर ली थीं। कार्यक्रम स्थल पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे और अधिकारियों की निगरानी में आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कुल मिलाकर, लखनऊ में आयोजित यह श्रद्धांजलि कार्यक्रम वीरांगना अवंती बाई लोधी के बलिदान को याद करने और उनके प्रति सम्मान प्रकट करने का एक महत्वपूर्ण अवसर बना। इस मौके पर न केवल उनके त्याग और संघर्ष को स्मरण किया गया, बल्कि समाज को उनके आदर्शों से प्रेरणा लेने का संदेश भी दिया गया। यह कार्यक्रम आने वाली पीढ़ियों को राष्ट्रप्रेम और समर्पण की भावना से जोड़ने का एक सार्थक प्रयास साबित हुआ।

लखनऊ में बदला मौसम का मिजाज, तेज बारिश और ओलों से दिन में छाया अंधेरा

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

राजधानी लखनऊ में शुक्रवार को मौसम ने अचानक करवट ले ली, जिससे जनजीवन प्रभावित हो गया। भोर से ही आसमान में हल्के बादल छाए हुए थे, लेकिन सुबह करीब 9 बजे के बाद बादल तेजी से घने हो गए और दिन में ही अंधेरा सा छा गया। इसके बाद तेज बारिश शुरू हो गई, जबकि कुछ इलाकों में ओलावृष्टि भी दर्ज की गई। गोमतीनगर, चिनहट, सरोजनीनगर, मोहनलालगंज और मलिहाबाद जैसे क्षेत्रों में काले बादलों के साथ तेज बारिश हुई। वहीं इंदिरानगर इलाके में ओले गिरने की सूचना मिली। अचानक बदले मौसम के कारण लोगों को गर्मी से राहत तो मिली, लेकिन कई जगहों पर दिक्कतें भी बढ़ गईं।तेज बारिश के साथ बादलों की गरज भी सुनाई दी। कई इलाकों में बिजली आपूर्ति बाधित हो गई, जिससे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। सुबह से ही 20 से 25 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से ठंडी हवाएं चल रही हैं, जिससे मौसम में ठंडक बढ़ गई है।मौसम विभाग ने बारिश और आंधी को लेकर रेड अलर्ट जारी किया है। सुबह से लेकर दोपहर 3 बजे तक रुक-रुक कर बारिश होती रही, जिससे सड़कों पर जलभराव की स्थिति भी देखने को मिली।आज के लिए लखनऊ का अधिकतम तापमान 31 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 21 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। इससे पहले गुरुवार को अधिकतम तापमान 35.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था, जो सामान्य से 2.1 डिग्री अधिक था, जबकि न्यूनतम तापमान 20.5 डिग्री रहा, जो सामान्य से 4.3 डिग्री अधिक था। उस दिन अधिकतम आर्द्रता 53 प्रतिशत और न्यूनतम आर्द्रता 20 प्रतिशत दर्ज की गई थी।

लखनऊ में सपा महिला सभा का अनोखा प्रदर्शन, गैस सिलेंडर की 'अर्थी' निकालकर जताया विरोध

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

राजधानी लखनऊ के कैसरबाग स्थित समाजवादी पार्टी कार्यालय में शुक्रवार को सपा महिला सभा की कार्यकर्ताओं ने महंगाई और गैस सिलेंडर की किल्लत को लेकर अनोखे अंदाज में विरोध प्रदर्शन किया। महिलाओं ने गैस सिलेंडर को 'मृत' मानते हुए उसकी अर्थी निकाली और सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।प्रदर्शन के दौरान महिलाओं ने सिलेंडर पर सफेद कफन ओढ़ाकर उसे प्रतीकात्मक रूप से 'श्रद्धांजलि' दी। इस दौरान कई महिलाएं छाती पीट-पीटकर रोती नजर आईं और कहा, "अब हम अपने बच्चों को कैसे पालेंगे? सिलेंडर के बिना हम कैसे जिएंगे?" इस भावनात्मक प्रदर्शन के जरिए उन्होंने बढ़ती महंगाई और गैस की कमी को लेकर अपनी नाराजगी जाहिर की।महिला कार्यकर्ताओं ने हाथों में पोस्टर और तख्तियां लेकर विरोध जताया, जिन पर "महंगी गैस, महंगा तेल—मोदी-योगी दोनों फेल" जैसे नारे लिखे थे। सपा कार्यालय से निकलकर सड़कों पर उतरी महिलाओं ने "मोदी तेरे सरकार में कटोरा हाथ में" जैसे नारे भी लगाए और केंद्र व राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला।समाजवादी महिला सभा की नगर अध्यक्ष मुन्नी पाल इस दौरान सिलेंडर को पकड़कर रोती रहीं। उन्होंने आरोप लगाया कि मौजूदा सरकार आम जनता की समस्याओं को नजरअंदाज कर रही है। उनका कहना था कि आधार कार्ड, नोटबंदी और अब गैस सिलेंडर जैसे मुद्दों से लोग लगातार परेशान हो रहे हैं।प्रदर्शन में शामिल पूजा यादव ने कहा कि महंगाई ने आम लोगों की कमर तोड़ दी है। उन्होंने कहा, "सिलेंडर अब किसी काम का नहीं रह गया है, जैसे किसी इंसान का अंत हो जाता है, वैसे ही अब सिलेंडर भी बेकार हो गया है। लोग ठीक से खाना तक नहीं बना पा रहे हैं।" उन्होंने सरकार से तत्काल राहत देने की मांग की।सपा प्रदेश सचिव मनीषा ने बताया कि यह विरोध प्रदर्शन गैस सिलेंडर की बढ़ती कीमतों और किल्लत के खिलाफ किया गया है। उन्होंने कहा कि इसके बाद कार्यकर्ता वाराणसी जाकर गंगा स्नान भी करेंगे।महिला कार्यकर्ताओं का आरोप है कि गैस एजेंसियों पर लोगों को घंटों लाइन में लगना पड़ता है, इसके बावजूद सिलेंडर आसानी से उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। उन्होंने कहा कि इस स्थिति का सबसे ज्यादा असर महिलाओं पर पड़ रहा है, क्योंकि घर में खाना बनाने की जिम्मेदारी उन्हीं पर होती है।इस दौरान महिलाएं खाली सिलेंडर और बर्तन लेकर सड़कों पर उतरीं और सरकार के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की। कुल मिलाकर, सपा महिला सभा का यह प्रदर्शन महंगाई और गैस संकट के मुद्दे पर सरकार को घेरने की एक कोशिश के रूप में देखा जा रहा है।

लखनऊ में एक ही परिवार के तीन लोगों ने खाया जहर,

मां-बेटे की मौत, पिता की हालत गंभीर

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

राजधानी लखनऊ के बंथरा क्षेत्र के नींवा गांव में एक ही परिवार के तीन लोगों द्वारा जहर खाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। इस घटना में मां और बेटे की मौत हो गई, जबकि पिता की हालत गंभीर बनी हुई है और उनका इलाज अस्पताल में चल रहा है। पुलिस को मौके से एक सुसाइड नोट भी मिला है, जिसके आधार पर मामले की जांच की जा रही है।मृतकों की पहचान तारावती (52) और उनके बेटे संदीप (30) के रूप में हुई है, जबकि रूपनारायण (55) गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती हैं। परिवार चाय-समोसा की दुकान और पान की गुमटी चलाकर अपना जीवनयापन करता था। घटना के समय घर में छोटा बेटा कुलदीप भी मौजूद था। कुलदीप ने बताया कि गुरुवार रात उसने घर पर तहरी बनाई थी। जब उसके माता-पिता और भाई दुकान बंद करके घर लौटे, तो उसने खाने के लिए पूछा, लेकिन तीनों ने यह कहकर मना कर दिया कि वे बाहर खाना खाकर आए हैं। इसके बाद तीनों अपने कमरे में सोने चले गए, जबकि कुलदीप बरामदे में सो गया।शुक्रवार तड़के कुछ आवाज सुनकर कुलदीप की नींद खुली। उसने देखा कि उसके पिता उल्टियां कर रहे थे। जब वह अंदर गया तो मां और भाई बेसुध पड़े थे और उनके मुंह से झाग निकल रहा था। घबराकर उसने अपने चाचा को बुलाया और सभी को तुरंत नजदीकी अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने तारावती और संदीप को मृत घोषित कर दिया। पुलिस को संदीप की जेब से एक सुसाइड नोट मिला है, जिसमें लिखा है कि वे तीनों अपनी मर्जी से आत्महत्या कर रहे हैं और इसके लिए परिवार का कोई संबंध नहीं है। हालांकि, आत्महत्या के पीछे की वजह अभी स्पष्ट नहीं हो सकी है। जांच के दौरान घर के बाहर पांच पन्नों का एक नोटिस चिपका मिला, जो फटा हुआ था। एक पेज पर 'सिक्योरिटी ऑफिसर, मुंबई' लिखा हुआ पाया गया है। वहीं, परिजनों ने किसी भी तरह के कर्ज या विवाद से इनकार किया है। पुलिस मामले के सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

काली पट्टी बांधकर अदा की गई

अलविदा की नमाज

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ में आज अलविदा (रमजान का आखिरी जुमा) की नमाज अदा की गई। अलविदा की नमाज शहर की सभी मस्जिदों में हुई। इरान-इजराइल के बीच चल रहे जंग के विरोध में बड़ा इमामबाड़ा में हाथ में काली पट्टी बांधकर नमाज पढ़ी गई। ऐशबाग ईदगाह स्थित जामा मस्जिद में मौलाना खालिद रशीद की इमामत में नमाज अदा की गई। बता दें कि पिछले शुक्रवार को भी अलविदा की नमाज पढ़ी गई थी, लेकिन 19 मार्च को चांद न दिखने की वजह से आज, 20 मार्च को ईद नहीं मनाई गई। आज फिर से अलविदा की नमाज अदा की गई। टीले वाली मस्जिद पर नमाज को लेकर खास तैयारी की गई। मस्जिद के इमाम मौलाना फजलुल मन्नान ने बताया कि यहां 370 सालों से अलविदा की नमाज अदा की जा रही है। मौलाना खालिद रशीद ने कहा कि अलविदा जुमा हमको यह एहसास करवाता है कि हमारे बीच से रमजान जा रहा है। यह आखिरी जुमा बेहद खास होता है हम सभी लोगों को इस खास दिन पर ज्यादा से ज्यादा दुआएं करना चाहिए। विशेष रूप से देश में अमन और शांति के लिए दुआ करनी चाहिए। मौलाना ने कहा कि रमजान के अंतिम दिनों में जरूरतमंद लोगों तक हमें पहुंचना चाहिए। ईद की तैयारी में उनकी मदद करते हुए आर्थिक सहयोग करना बेहद जरूरी है। यह हमारी सामाजिक जिम्मेदारी है कि उन लोगों की खुशियों में शामिल हो जो कमजोर और बेसहारा हैं।

एलडीए की 187वीं बोर्ड बैठक

4500 करोड़ के बजट पर होगा फैसला

राजधानी लखनऊ में शुक्रवार को लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) की 187वीं बोर्ड बैठक कमिश्नर की अध्यक्षता में आयोजित की जाएगी। इस बैठक में कुल 23 अहम एजेंडों पर चर्चा के बाद निर्णय लिए जाएंगे। बैठक का सबसे प्रमुख मुद्दा वित्त वर्ष 2026-27 के बजट को मंजूरी देना है, जिसके जरिए शहर के इंफ्रास्ट्रक्चर और आवासीय विकास को नई गति देने की तैयारी की गई है।एलडीए ने आगामी वित्त वर्ष में विकास कार्यों पर करीब 4500 करोड़ रुपये खर्च करने की योजना बनाई है, जो पिछले वर्ष की तुलना में काफी अधिक है। बीते वित्त वर्ष में प्राधिकरण की कुल आय लगभग 3500 करोड़ रुपये रही थी। इस बार बजट बढ़ाकर नई परियोजनाओं को शुरू करने और अधूरी योजनाओं को तेजी से पूरा करने पर विशेष जोर दिया जा रहा है।बैठक में सुल्तानपुर रोड स्थित आईटी सिटी योजना और मोहन रोड योजना को लेकर महत्वपूर्ण निर्णय लिए जा सकते हैं। आईटी सिटी के लिए भूमि क्रय-विक्रय और मोहन रोड योजना के तहत प्यारेपुर गांव में भूमि अधिग्रहण के लिए बजट प्रस्ताव रखा गया है। इन दोनों परियोजनाओं के लिए लगभग 1000 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है, जिससे शहर के विस्तार और निवेश के नए अवसर खुलने की उम्मीद है।गोमती नगर विस्तार से जुड़े कई प्रस्ताव भी एजेंडे में शामिल हैं। यहां सरस्वती अपार्टमेंट के पास उपलब्ध अतिरिक्त भूमि को सामुदायिक केंद्र के रूप में विकसित करने की योजना है। इसके अलावा सेक्टर-6 में प्रस्तावित 45 मीटर चौड़ी सड़क को घटाकर 9 मीटर करने का प्रस्ताव रखा गया है, जिससे बची हुई जमीन का व्यावसायिक और आवासीय उपयोग किया जा सकेगा। इससे प्राधिकरण को अतिरिक्त राजस्व मिलने की संभावना है।इसके साथ ही सीजी सिटी और रिफाह-ए-आम योजना के लेआउट में संशोधन, अंसल प्रॉपर्टीज की हाईटेक टाउनशिप में एफएसआई के तहत बेचे गए भूखंडों के मानचित्रों को मंजूरी, और ऑनलाइन बिल्डिंग प्लान अप्रूवल सिस्टम (ओबीपास) के तहत मानचित्र स्वीकृति शुल्क में संशोधन पर भी विचार किया जाएगा। संभावना है कि अप्रैल से नक्शा पास कराना महंगा हो सकता है। कानपुर रोड विस्तार योजना, ग्रीन कॉरिडोर, नैमिषनगर, वरुण विहार और वेलनेस सिटी जैसी परियोजनाओं के लिए भी बजट प्रावधान किया जाएगा। वहीं, पारिजात और पंचशील अपार्टमेंट के फ्लैटों की कीमतों को एक वर्ष तक स्थिर रखने का प्रस्ताव भी बैठक में रखा जाएगा, जिससे खरीदारों को राहत मिल सकती है। कुल मिलाकर, यह बैठक लखनऊ के विकास की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभाएगी, जिसमें नई योजनाओं के साथ-साथ मौजूदा परियोजनाओं को गति देने पर फोकस रहेगा।

उन्नाव में बदला मौसम का मिजाज

बारिश ने बढ़ाई किसानों की टेंशन

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव जनपद में शुक्रवार को मौसम ने अचानक करवट ले ली, जिससे जनजीवन पर व्यापक असर देखने को मिला। सुबह से ही आसमान में घने बादल छाए रहे और जिले के विभिन्न हिस्सों में रुक-रुक कर हल्की से मध्यम बारिश होती रही। इस बदलाव से जहां लोगों को बढ़ती गर्मी से राहत मिली, वहीं किसानों के सामने नई चिंताएं खड़ी हो गई हैं। बारिश के चलते तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई, जिससे वातावरण में ठंडक घुल गई। मौसम विभाग के अनुसार, जिले का न्यूनतम तापमान 17 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। तापमान में आई इस गिरावट का असर लोगों की दिनचर्या पर साफ नजर आया। सुबह से हो रही बारिश के कारण शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में सामान्य गतिविधियां प्रभावित रहीं।बारिश का असर खासतौर पर सड़कों पर देखने को मिला, जहां कई स्थानों पर जलभराव की स्थिति बन गई। इससे राहगीरों और वाहन चालकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। फिसलन भरी सड़कों के कारण यातायात भी धीमा रहा। वहीं, अचानक बदले मौसम के चलते लोगों को एक बार फिर गर्म कपड़ों का सहारा लेना पड़ा। बाजारों में भी सामान्य दिनों की तुलना में कम भीड़भाड़ देखी गई, जिससे व्यापारियों की चिंता बढ़ी। हालांकि आम लोगों के लिए यह मौसम राहत लेकर आया, लेकिन किसानों के लिए यह बदलाव परेशानी का सबब बन गया है। इस समय जिले

में सरसों और गेहूं की फसल की कटाई का कार्य चल रहा है। कई किसानों ने सरसों की फसल काटकर खेतों में ही सुखाने के लिए छोड़ रखी थी। ऐसे में बारिश होने से फसल के भीगने का खतरा बढ़ गया है, जिससे उसकी गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है।किसानों का कहना है कि यदि बारिश का सिलसिला जारी रहा तो कटी हुई फसलों को भारी नुकसान हो सकता है। इससे न केवल उत्पादन पर असर पड़ेगा, बल्कि किसानों को आर्थिक नुकसान भी झेलना पड़ सकता है। खासतौर पर छोटे और सीमांत किसानों के लिए यह स्थिति चिंता का विषय बनी हुई है।इस संबंध में जिला कृषि अधिकारी शशांक चौधरी ने बताया कि फिलहाल खड़ी फसलों को किसी बड़े नुकसान की सूचना नहीं मिली है। उन्होंने कहा कि हल्की बारिश गेहूं की फसल के लिए कुछ हद तक लाभकारी साबित हो सकती है, क्योंकि इससे दानों के विकास में मदद मिलती है। हालांकि, जिन किसानों की फसल कटकर खेतों में पड़ी है, उन्हें विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है।उन्होंने किसानों को सलाह दी है कि जैसे ही मौसम साफ हो, वे अपनी फसल को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने की व्यवस्था करें, ताकि नुकसान से बचा जा सके। साथ ही, मौसम विभाग द्वारा जारी पूर्वानुमान पर लगातार नजर बनाए रखने की भी अपील की गई है। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने के कारण क्षेत्र में इस तरह का मौसम परिवर्तन देखने को मिला है। उन्होंने बताया कि आने वाले एक से दो दिनों तक आसमान में बादल छाए रह सकते हैं और हल्की बारिश की संभावना बनी हुई है। प्रशासन ने भी किसानों और आम लोगों से सतर्क रहने और आवश्यक सावधानी बरतने की अपील की है। कुल मिलाकर, उन्नाव में मौसम के इस अचानक बदलाव ने जहां गर्मी से राहत दी है, वहीं किसानों के लिए यह चिंता का कारण बन गया है।

उन्नाव में बीमारी से परेशान व्यक्ति ने खुद को गोली मारकर दी जान, जांच में जुटी पुलिस

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव जनपद के बारासगवर थाना क्षेत्र के गढ़ेवा गांव में गुरुवार देर शाम एक 55 वर्षीय व्यक्ति ने खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। बताया जा रहा है कि वह लंबे समय से गंभीर बीमारी से पीड़ित थे और इसी कारण मानसिक तनाव में चल रहे थे। इस घटना से गांव में शोक और सनसनी का माहौल है।जानकारी के अनुसार, गढ़ेवा निवासी रणधीर सिंह पिछले सात-आठ वर्षों से गंभीर बीमारी से जूझ रहे थे। गुरुवार देर शाम वह घर पर अकेले थे। इसी दौरान उन्होंने अवैध तमंचे से अपने सिर में गोली मार ली। गोली चलने की आवाज सुनकर परिजन और आसपास के लोग मौके पर पहुंचे, जहां वह गंभीर रूप से घायल अवस्था में मिले। घटना के बाद परिजन बिना समय गंवाए उन्हें बीघापुर स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे। वहां डॉक्टरों ने उनकी हालत गंभीर देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जिला अस्पताल में इलाज के दौरान रणधीर सिंह ने दम तोड़ दिया। सूचना मिलते ही बारासगवर थाना पुलिस जिला अस्पताल पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी। मृतक की पत्नी मालती सिंह की तहरीर के आधार पर पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। साथ ही, पुलिस अवैध तमंचे के स्रोत और घटना के सभी पहलुओं की गहनता से जांच कर रही है। परिजनों के मुताबिक, रणधीर सिंह लंबे समय से बीमारी के कारण मानसिक रूप से काफी परेशान थे। उनका बेटा निर्भय सिंह विदेश में नौकरी करता है, जबकि बेटी कोमल की शादी हो चुकी है। वह अपनी पत्नी के साथ गांव में ही रहते थे। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल मामले की जांच जारी है और पुलिस हर पहलू को ध्यान में रखते हुए जांच कर रही है।

उन्नाव में अलविदा जुमे की नमाज शांति से संपन्न, ईद को लेकर प्रशासन अलर्ट

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव जनपद में शुक्रवार को अलविदा जुमे की नमाज शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराई गई। जिलेभर की प्रमुख ईदगाहों और मस्जिदों में मुस्लिम समुदाय के लोगों ने बड़ी संख्या में एकत्र होकर नमाज अदा की और देश-प्रदेश में अमन, शांति, भाईचारे और खुशहाली की दुआ मांगी। पूरे आयोजन के दौरान प्रशासन और पुलिस विभाग पूरी तरह मुस्तैद नजर आया, जिससे कार्यक्रम बिना किसी बाधा के सकुशल संपन्न हुआ।सुबह से ही शहर और ग्रामीण क्षेत्रों की ईदगाहों व मस्जिदों के आसपास लोगों की आवाजाही शुरू हो गई थी। नमाज को व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए प्रशासन द्वारा पहले से ही व्यापक तैयारियां की गई थीं। लोगों ने अनुशासन बनाए रखते हुए शांतिपूर्ण ढंग से नमाज अदा की और सामाजिक एकता का संदेश दिया।सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर पुलिस प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड पर रहा। संवेदनशील स्थानों पर अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई थी। प्रमुख चौराहों, ईदगाहों और मस्जिदों के आसपास पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी लगातार निगरानी करते रहे। इसके अलावा, ड्रोन कैमरों और सीसीटीवी के माध्यम से भी सुरक्षा व्यवस्था पर कड़ी नजर रखी गई, जिससे किसी भी अप्रिय घटना की आशंका को पूरी तरह समाप्त किया जा सके।अधिकारियों की सक्रियता का ही परिणाम रहा कि पूरे जिले में कहीं से भी किसी तरह की अप्रिय घटना की सूचना नहीं मिली। कार्यक्रम पूरी तरह शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ। प्रशासन ने सभी नागरिकों के सहयोग के लिए आभार भी जताया।इस बीच, प्रशासन ईद-उल-फितर को लेकर भी पूरी तरह सतर्क है। चांद दिखने के बाद शनिवार को ईद मनाए जाने की संभावना जताई जा रही है। इसे देखते हुए सुरक्षा और व्यवस्थाओं को लेकर तैयारियां पहले से ही तेज कर दी गई हैं।जिला प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे त्योहार को आपसी भाईचारे और शांति के साथ मनाएं तथा किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें। कुल मिलाकर, उन्नाव में अलविदा जुमे की नमाज शांति और सद्भाव का संदेश देते हुए सफलतापूर्वक संपन्न हुई।

आकाशीय बिजली गिरने से दो मजदूर घायल

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव जिले में शुक्रवार को मौसम के अचानक बदले मिजाज के बीच एक दर्दनाक हादसा सामने आया। हल्की बारिश के दौरान असोहा थाना क्षेत्र में आकाशीय बिजली गिरने से सड़क निर्माण कार्य में लगे दो मजदूर घायल हो गए। घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उपचार के बाद उनकी हालत अब सामान्य बताई जा रही है।जानकारी के अनुसार, यह घटना असोहा थाना क्षेत्र के ग्राम काथा रोड से मंगत खेड़ा रोड के बीच हुई। शुक्रवार सुबह से ही मौसम में बदलाव देखा जा रहा था। तेज हवाओं के साथ हल्की बारिश शुरू हो गई थी, लेकिन इसके बावजूद सड़क निर्माण का कार्य जारी था। इसी दौरान अचानक आकाशीय बिजली गिरी, जिसकी चपेट में आकर साहिल (14) पुत्र किशनु और कुलदीप (18) पुत्र प्रेम घायल हो गए। दोनों मजदूर काथा गांव के निवासी बताए जा रहे हैं।घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। बिजली गिरने की तेज आवाज से आसपास काम कर रहे अन्य मजदूरों में दहशत फैल गई और उन्होंने तुरंत काम बंद कर दिया। कुछ देर के लिए क्षेत्र में भय का माहौल बन गया। लोगों को समझ नहीं आ रहा था कि अचानक क्या हुआ, लेकिन जल्द ही स्थिति स्पष्ट हो गई। स्थानीय ग्रामीणों और साथी मजदूरों ने तत्परता दिखाते हुए दोनों घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) नवाबगंज पहुंचाया। वहां मौजूद डॉक्टरों ने उनका प्राथमिक उपचार किया। घायलों की स्थिति को देखते हुए चिकित्सकों ने उन्हें बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल रेफर कर दिया।डॉक्टरों के अनुसार, समय रहते इलाज मिलने के कारण दोनों की हालत खतरे से बाहर है और अब वे पूरी तरह सुरक्षित हैं। इस घटना के बाद इलाके में लोगों के बीच डर का माहौल है, खासकर खराब मौसम के दौरान बाहर काम करने को लेकर सतर्कता बढ़ गई है। कई मजदूरों ने भी ऐसे मौसम में काम रोकने की जरूरत पर जोर दिया।प्रशासन और मौसम विशेषज्ञों ने लोगों से अपील की है कि बारिश, आंधी या बिजली कड़कने के दौरान खुले स्थानों पर काम करने से बचें और सुरक्षित स्थान पर रहें। विशेष रूप से खेतों और निर्माण स्थलों पर काम कर रहे लोगों को अतिरिक्त सावधानी बरतने की जरूरत है, ताकि इस तरह की घटनाओं से बचा जा सके। साथ ही, ग्रामीणों को पेड़ों के नीचे खड़े होने से भी बचने की सलाह दी गई है। कुल मिलाकर, मौसम के अचानक बदले स्वरूप ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि प्राकृतिक आपदाओं के प्रति सतर्कता ही सबसे बड़ा बचाव है।

आग के खतरे से बचाव के लिए रेलवे का बड़ा अभियान

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

लखनऊ-कानपुर रेल मार्ग पर गर्मी के मौसम को देखते हुए रेलवे विभाग ने सुरक्षा व्यवस्थाएं मजबूत करना शुरू कर दिया है। गंगाघाट रेलवे स्टेशन के पास सरैया क्रॉसिंग के समीप रेलवे ट्रैक के दोनों ओर उगी बड़ी घास और खरपतवार को हटाने का अभियान चलाया जा रहा है। इसका उद्देश्य आग लगने जैसी घटनाओं की आशंका को पूरी तरह समाप्त करना है। रेलवे अधिकारियों के निर्देश पर कर्मचारियों की एक टीम मौके पर पहुंचकर सफाई कार्य में जुटी हुई है। ट्रैक के आसपास फैली झाड़ियों और सूखी घास को हटाने के लिए एक जेसीबी मशीन के साथ लगभग एक दर्जन मजदूर लगाए गए हैं। मशीन की सहायता से ट्रैक किनारे उगी घनी झाड़ियों को साफ किया जा रहा है, जबकि मजदूर हाथों से बची हुई खरपतवार को हटाकर क्षेत्र को पूरी तरह स्वच्छ कर रहे हैं। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, गर्मियों में सूखी घास और झाड़ियां आग पकड़ने का एक बड़ा कारण बनती हैं। कई बार शरारती तत्वों द्वारा जानबूझकर आग लगाने की घटनाएं भी सामने आती रही हैं, जिससे रेल संचालन प्रभावित होता है और यात्रियों की सुरक्षा पर खतरा पैदा हो जाता है। हाल ही में इसी क्षेत्र में खरपतवार में आग लगने की घटना हुई थी, जिसके कारण शताब्दी एक्सप्रेस सहित कई ट्रेनों को एहतियातन रोकना पड़ा था। इस घटना से रेल यातायात बाधित हुआ था। इसी घटना को गंभीरता से लेते हुए रेलवे प्रशासन ने पहले से ही सुरक्षा और सतर्कता बढ़ा दी है। अधिकारियों का कहना है कि ट्रैक के आसपास ज्वलनशील सामग्री हटाने से आग लगने की संभावना काफी कम हो जाती है और ट्रेनों का संचालन सुरक्षित बना रहता है। साथ ही, रेलवे कर्मियों को नियमित निरीक्षण करने और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखने के निर्देश भी दिए गए हैं।

नवरात्रि के दूसरे दिन उन्नाव में उमड़ी आस्था की भीड़, मां ब्रह्मचारिणी के दर्शन को पहुंचे श्रद्धालु

उन्नाव में शुक्रवार को नवरात्रि के दूसरे दिन मां ब्रह्मचारिणी के दर्शन के लिए मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। राजधानी मार्ग स्थित दुर्गा मंदिर में सुबह से ही भक्तों की लंबी कतारें लगी रहीं। मंदिर को मां ब्रह्मचारिणी के स्वरूप के अनुरूप आकर्षक ढंग से सजाया गया था, जिससे वातावरण भक्तिमय हो उठा।श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से मां की पूजा-अर्चना की। मान्यता है कि मां ब्रह्मचारिणी की आराधना से मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। कई भक्तों ने उपवास रखकर और दुर्गा सप्तशती का पाठ कर मां को प्रसन्न करने का प्रयास किया। मंदिर में महाआरती का आयोजन भी किया गया, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भाग लिया।नगर के अन्य प्रमुख मंदिरों—कंचननगर स्थित कंचना माई मंदिर, पोनी रोड स्थित मां झंडेश्वरी देवी मंदिर, महेश मार्ग स्थित मां सिद्धिदात्री मंदिर और गांधीनगर स्थित काली मंदिर—में भी भक्तों का तांता लगा रहा। नगर और ग्रामीण क्षेत्रों के मंदिरों में दिनभर दर्शन के लिए लोगों की आवाजाही बनी रही।नवरात्रि के अवसर पर मंदिरों को रंग-रोगन कर आकर्षक रूप दिया गया था। मुख्य द्वारों पर रंग-बिरंगी झालरें और परिसर में जगमगाती रोशनी श्रद्धालुओं को आकर्षित कर रही थी। लाउडस्पीकर पर बज रहे भक्ति गीतों से पूरा माहौल भक्तिमय बना रहा। सुरक्षा व्यवस्था के तहत पुलिस प्रशासन भी पूरी तरह सतर्क रहा। गंगा घाट पुलिस ने श्रद्धालुओं से अपने कीमती सामान की सुरक्षा को लेकर सतर्क रहने की अपील की, वहीं संदिग्ध व्यक्तियों की समय-समय पर जांच भी की गई।

अयोध्या के बाद वृंदावन पहुंचीं राष्ट्रपति संत संग किया आध्यात्मिक संवाद

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उत्तर प्रदेश दौरे के दौरान वृंदावन में संत प्रेमानंद महाराज से मुलाकात की। उन्होंने आश्रम में प्रवचन सुने, आध्यात्मिक चर्चा की और आशीर्वाद लिया। इस अवसर पर संत को जन्मदिन की बधाई दी गई और आश्रम की ओर से उन्हें पारंपरिक सम्मान व प्रसाद भेंट किया गया।

टीवी भारतवर्ष उत्तर प्रदेश

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने उत्तर प्रदेश के अपने तीन दिवसीय दौरे के दूसरे दिन शुक्रवार (20 मार्च) को वृंदावन में महान संत प्रेमानंद जी महाराज से मुलाकात कर आध्यात्मिक चर्चा की। राष्ट्रपति 19 मार्च से प्रदेश के दौरे पर हैं और विभिन्न धार्मिक व सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग ले रही हैं। इससे पहले गुरुवार को उन्होंने अयोध्या में दर्शन-पूजन किया था, जिसके बाद वह मथुरा पहुंचीं। यहां उन्होंने विभिन्न मंदिरों में पूजा-अर्चना कर आध्यात्मिक गतिविधियों में हिस्सा लिया। अपने दौरे के दौरान राष्ट्रपति कई कार्यक्रमों में शामिल हो रही हैं और धार्मिक स्थलों का भ्रमण कर रही हैं। शुक्रवार सुबह राष्ट्रपति मुर्मू ने अपने दिन की शुरुआत आध्यात्मिक कार्यक्रमों से की। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, वह वृंदावन स्थित राधा केली कुंज में स्थित संत प्रेमानंद महाराज के आश्रम पहुंचीं। यहां उन्होंने संत के प्रवचन सुने और उनसे गहन आध्यात्मिक चर्चा की। इस दौरान आश्रम का वातावरण पूरी तरह भक्तिमय रहा।यह अवसर विशेष इसलिए भी रहा क्योंकि गुरुवार को संत प्रेमानंद जी महाराज का जन्मदिन था। राष्ट्रपति मुर्मू ने इस मौके पर उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं और उनके प्रति सम्मान प्रकट किया। संत प्रेमानंद महाराज ने भी प्रसन्नता व्यक्त करते हुए 'राधे-राधे' कहकर राष्ट्रपति का स्वागत किया। मुलाकात के दौरान राष्ट्रपति मुर्मू ने संत को हाथ जोड़कर प्रणाम किया और उनसे आशीर्वाद प्राप्त किया। दोनों के बीच आध्यात्मिक विषयों पर चर्चा हुई, जिसमें जीवन के मूल्यों, सेवा और भक्ति जैसे विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। इस दौरान आश्रम में मौजूद श्रद्धालुओं और अनुयायियों के बीच भी उत्साह का माहौल देखने को मिला। आश्रम की ओर से राष्ट्रपति मुर्मू का पारंपरिक तरीके से स्वागत किया गया। उन्हें प्रसाद स्वरूप दुपट्टा, माला और प्रसाद भेंट किया गया। यह सम्मान श्री हित राधा केली कुंज आश्रम की ओर से प्रदान किया गया। बताया जा रहा है कि इस दौरान राष्ट्रपति अपने परिवार के साथ मौजूद रहीं, जिससे यह मुलाकात और भी विशेष बन गई।राष्ट्रपति के इस दौरे को लेकर प्रशासन की ओर से सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। आश्रम और आसपास के क्षेत्रों में सुरक्षा बलों की तैनाती रही और हर गतिविधि पर नजर रखी गई, ताकि कार्यक्रम शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो सके। कुल मिलाकर, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की वृंदावन यात्रा आध्यात्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण रही, जिसमें उन्होंने संत प्रेमानंद महाराज से मुलाकात कर आशीर्वाद लिया और धार्मिक वातावरण में समय व्यतीत किया।

यूपी में बदला मौसम का मिजाज, ओलावृष्टि और आंधी-बारिश से जनजीवन प्रभावित, 5 की मौत

टीवी भारतवर्ष उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेश में शुक्रवार को मौसम ने अचानक करवट ली, जिससे कई जिलों में आंधी, बारिश और ओलावृष्टि देखने को मिली। उत्तर प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में मौसम के इस बदलाव का व्यापक असर पड़ा है। ललितपुर में दोपहर बाद जमकर ओले गिरे, जिससे खड़ी फसल पर सफेद चादर जैसी परत जम गई। इससे किसानों की चिंता बढ़ गई है। राजधानी लखनऊ में सुबह करीब 10 बजे अचानक अंधेरा छा गया और तेज हवाओं के साथ बारिश शुरू हो गई। कुछ इलाकों में ओले भी गिरे। इससे पहले अयोध्या, बाराबंकी, सीतापुर और सिद्धार्थनगर में भी तेज बारिश के साथ ओलावृष्टि हुई। झांसी में भी दोपहर बाद मौसम बिगड़ गया और बारिश शुरू हो गई।प्रयागराज में धूल भरी आंधी के बाद मौसम खराब हो गया, जबकि मथुरा में तेज बारिश के चलते सड़कों पर पानी भर गया। लोग रेनकोट और छातों के सहारे अपने काम पर जाते नजर आए। कानपुर, नोएडा, आगरा, अलीगढ़ और मेरठ समेत 25 से अधिक जिलों में रुक-रुक कर बारिश होती रही। काशी में आंधी के साथ बूंदाबांदी हुई, जिससे घाटों पर दुकान लगाने वाले लोगों को सामान समेटना पड़ा।गोंडा में एक बीघा पत्तागोभी के खेत में पानी भर गया, जिससे फसल को नुकसान पहुंचा है। वहीं प्रयागराज, बलरामपुर, बहराइच और मिर्जापुर में आकाशीय बिजली गिरने से तीन किसानों सहित पांच लोगों की मौत हो गई। कई स्थानों पर गेहूं की खड़ी फसलें भी गिर गईं, जिससे किसानों को भारी नुकसान की आशंका है। किसानों का कहना है कि बेमौसम बारिश से सरसों और आलू की फसल भी प्रभावित हो सकती है।मौसम विभाग के अनुसार, पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने के कारण प्रदेश में मौसम का यह बदलाव हुआ है। अगले दो दिनों तक मौसम ऐसे ही खराब रहने की संभावना है और 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। मौसम वैज्ञानिकों ने लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है।

आर्थिक तंगी से जूझते मरीजों के लिए संस्थाओं की भूमिका अहम

टीवी भारतवर्ष वृन्दावन

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने आज (20 मार्च, 2026) उत्तर प्रदेश के वृन्दावन में रामकृष्ण मिशन सेवाश्रम में नंद किशोर सोमानी कैंसर चिकित्सा ब्लॉक का उद्घाटन किया। इस अवसर पर राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने कहा कि रामकृष्ण मिशन आध्यात्मिक चेतना और मानवतावादी सेवा के संगम का सशक्त प्रतीक है। रामकृष्ण परमहंस की गहन भक्ति ने एक ऐसी शक्ति का संचार किया, जिसे उनके प्रमुख शिष्य स्वामी विवेकानंद ने बाद में मानवता के कल्याण के लिए संस्थागत रूप दिया। रामकृष्ण मिशन ने निरंतर यह संदेश दिया है कि प्रेम, सेवा और करुणा ईश्वर प्राप्ति का सर्वोच्च मार्ग प्रशस्त करते हैं। इस मिशन ने यह सिद्ध किया है कि सच्ची निस्वार्थ सेवा और करुणा ही आध्यात्मिकता की वास्तविक अभिव्यक्ति है। राष्ट्रपति ने कहा कि कैंसर सबसे गंभीर स्वास्थ्य चुनौतियों में से एक है। कैंसर का समय पर निदान और उच्च गुणवत्ता वाले उपचार की उपलब्धता रोगी के जीवन को बचाने में निर्णायक साबित हो सकती है। हालांकि, कई परिवारों के लिए आर्थिक तंगी के कारण इस बीमारी का इलाज मुश्किल या असंभव सा लगता है। ऐसे समय में, जनसेवा की भावना से प्रेरित संस्थाएं सामाजिक कल्याण में सक्रिय भूमिका निभा सकती हैं। जागरूकता अभियानों और समय पर जांच की सुविधाओं के माध्यम से कैंसर की रोकथाम और शीघ्र उपचार पर विशेष जोर दिया जा रहा है। एक मजबूत और आत्मनिर्भर भारत का निर्माण स्वस्थ नागरिकों के माध्यम से ही संभव है। राष्ट्रपति ने कहा कि सरकार अपनी स्वास्थ्य सेवा अवसंरचना को मजबूत करने और यह सुनिश्चित करने के लिए निरंतर प्रयासरत है कि गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवा प्रत्येक नागरिक तक पहुंचे।

यूपी में स्थायी डीजीपी की नियुक्ति का प्रस्ताव अटका, यूपीएससी ने लौटाया फाइल

टीवी भारतवर्ष

उत्तर प्रदेश में स्थायी डीजीपी की नियुक्ति को लेकर भेजा गया प्रस्ताव फिलहाल अटक गया है। यूपीएससी ने इस प्रस्ताव पर आपत्ति जताते हुए इसे मुख्य सचिव को वापस कर दिया है। आयोग ने कहा है कि वर्ष 2025 में जारी नई गाइडलाइन और सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अनुसार प्रस्ताव को नए सिरे से तैयार कर दोबारा भेजा जाए। इसके लिए राज्य सरकार को तीन महीने का समय दिया गया है। गौरतलब है कि राज्य सरकार द्वारा भेजे गए प्रस्ताव में राजीव कृष्ण को स्थायी डीजीपी बनाए जाने की संभावना मानी जा रही थी। उन्हें 31 मई 2025 को कार्यवाहक डीजीपी नियुक्त किया गया था, जब उन्होंने प्रशांत कुमार का स्थान लिया था। राजीव कृष्ण प्रदेश के लगातार पांचवें कार्यवाहक डीजीपी हैं। इस बीच डीजीपी की दौड़ से वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी रेणुका मिश्रा को बाहर कर दिया गया है। राज्य सरकार ने उन्हें पुलिस भर्ती परीक्षा पेपर लीक मामले में जिम्मेदार ठहराया है। वर्ष 2024 में वह यूपी पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड की चेयरमैन थीं। बोर्ड से हटाए जाने के बाद से वह वेटिंग में हैं, जबकि वह यूपी कैडर की सबसे वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी मानी जाती हैं। सूत्रों के अनुसार, सरकार द्वारा भेजे गए प्रस्ताव में राजीव कृष्ण का नाम दूसरे स्थान पर था। ऐसे में यह सवाल भी उठ रहा है कि उन्हें पहले ही स्थायी डीजीपी क्यों नहीं बनाया गया और उनका स्थान कैसे ऊपर आया। साथ ही यह भी चर्चा है कि डीजीपी पैनल में किन अधिकारियों को शामिल किया गया और किन नामों पर विचार नहीं हुआ।डीजीपी नियुक्ति के लिए 5 मार्च को यूपीएससी ने राज्य सरकार से प्रस्ताव मांगा था। इसके जवाब में गृह विभाग की ओर से मुख्य सचिव ने 18 मार्च को प्रस्ताव भेजा, लेकिन यह पुराने प्रारूप में तैयार किया गया था। नई गाइडलाइन के अनुसार प्रस्ताव भेजने में देरी का कारण बताना अनिवार्य है, जो इस प्रस्ताव में शामिल नहीं था।